शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 211 | गुवाहाटी | सोमवार, 3 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने नाहरलागुन में डोनयी पोलो न्येदर नामलो का किया दौरा पेज 2
भाजपा का मूलमंत्र राष्ट्र प्रथम, विचारधारा और प्रतिबद्धता में राष्ट्रीय हित... पेज 3
बजट पर नसीहत देने के बजाए 15 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब दें तेजस्वी : उमेश सिंह पेज 5
ऑस्ट्रेलिया का नीलीजर्सी से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अपनी जिंदगी में अगर वाकई कुछ हासिल करना है तो, अपने तरीकों को बदलों अपने इरादों को कभी नहीं।

– अब्दुल कलाम

मुसलमान और ईसाई से नहीं

लेफ्ट लिबरल लोगों से है हिन्दुओं को खतरा : डॉ. शर्मा

कोलकाता। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को मुसलमान और ईसाई से नहीं, बल्कि लेफ्ट लिबरल से खतरा है। हिमंतने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुछ लोगों का भाषण जब मैं सुनता हूं तो वो समझते हैं कि जब से हमने संविधान को स्वीकार किया तब से भारत वर्ष की शुरुआत हुई, पर ऐसा बिलकुल भी नहीं है। भारत एक सभ्यता है जो 5000 वर्ष पुरानी है। औरंगजेब जिसने प्रण किया था कि वो हिन्दू धर्म को खत्म करेगा, हिन्दू धर्म को खत्म नहीं कर पाया। लेकिन खुद खत्म हो गया। अगर राहुल गांधी और ममता बनर्जी सोचते हैं कि हिंदू खत्म हो जाएगा तो मैं तो कहूंगा आप खत्म हो जाएंगे हिन्दू धर्म कभी खत्म नहीं होगा। धीरे-धीरे लेफ्ट और लिबरल लोगों ने इस देश को घेर लिया था, फिर ऐसे ही लोगों को पद्मश्री मिली जो खासकर हिंदुओं के खिलाफ बोलती थी 214 तक ऐसा लगा कि देश अब उबर नहीं पाएगा। इतने स्कैम हुए हिंदुओं को कटघरे में खड़ा किया गया और कहा गया कि हिंदू मत बोलो सेकुलर बोलो और देश के प्रधानमंत्री ने यहां तक बोला कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार माइनॉरिटी का होगा, लेकिन यदा-यदा ही धर्मस्य और हमारे पास मोदी आए। मैं नहीं मानता कि मुसलमान और ईसाई से हिन्दुओं को खतरा है। मैं ऐसा कभी नहीं मानता। दरअसल, ये दोनों भारत में अल्पसंख्यक हैं। हिंदुओं को खतरा खुद हमारे समाज से है। मैं मानता हूं कि हमें सबसे ज्यादा खतरा है लेफ्ट और लिबरल लोगों से है। ये जो बंगाल की आज हालत है। हिंदुओं को यहां कमजोर किया गया। ममता बनर्जी को तो यह विरासत में मिला, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार तो लेफ्ट और लिबरल है और आज इस विरासत का ट्रीटमेंट उनको मिल रहा है, मेरी उनसे संवेदना है। आपने हिंदुओं को गोमांस खाना सिखाया, लेकिन आप भूल गए कि हमारे पूर्वज -शेष पृष्ठ दो पर

असम पुलिस की तलाशी लेते शख्स का वीडियो वायरल, मुख्यमंत्री ने खुद दी सफाई

गुवाहाटी। जालसाजी और परीक्षा कदाचार के आरोपी एक विश्वविद्यालय के चांसलर के निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा पुलिसकर्मियों की तलाशी लेने के एक वीडियो ने ऑनलाइन सवाल खड़े कर दिए हैं। *वॉयस ऑफ असम* नाम के एक एक्स हैंडल ने वीडियो साझा करते हुए कहा है कि यह अराजकता की एक झलक है जिसकी बांग्लादेश, पाकिस्तान या फिल्मों में उम्मीद की जा सकती है, लेकिन भारत में नहीं। हालांकि, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने स्थिति साफ कर दी और कहा कि कानून में इसकी अनुमति है। *वॉयस ऑफ असम* के पोस्ट को साझा करते हुए, उन्होंने उस कानून की ओर इशारा किया -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने ट्विन टावर्स को एकीकृत निदेशालय परिसर में बदलने की पुष्टि की

गुवाहाटी। गुवाहाटी की बहुप्रतीक्षित ट्विन टावर्स परियोजना, जिसे मूल रूप से पूर्व मुख्यमंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने एक प्रतिष्ठित स्थल के रूप में देखा था, अब बेतकुची में एकीकृत निदेशालय परिसर के रूप में आकार ले रही है। इस बदलाव की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि जो लोग ट्विन टावर्स के बारे में पूछ रहे हैं, हम गुवाहाटी के बेतकुची में एकीकृत निदेशालय परिसर के रूप में यही निर्माण -शेष पृष्ठ दो पर

डिब्रूगढ़ विवि में अगले सत्र से जापानी भाषा पाठ्यक्रम होगा शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि राज्य सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के उद्देश्य से जापानी भाषा कौशल से सुसज्जित करने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी कड़ी में, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय अगले शैक्षणिक सत्र से जापानी भाषा का पाठ्यक्रम शुरू करेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में जापान फाउंडेशन द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में *जापान कारवां* का आयोजन किया गया था, जिसका उद्देश्य छात्रों को जापानी भाषा, संस्कृति और शैक्षिक व -शेष पृष्ठ दो पर

ग्लेशियर हादसा : रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा, आठ की मौत, सेना ने बचाई 46 जिंदगियां

चमोली। उत्तराखंड के माणा में ग्लेशियर टूटने से हिमस्खलन में दबे लोगों के बचाने के लिए 60 घंटे से चला रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार की शाम को समाप्त हो गया। इस हादसे में आठ मजदूरों की जान चली गई, जबकि 46 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत एवं बचाव कार्य में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित कई एजेंसियों के 200 से अधिक लोग लगातार बचाव कार्य में जुटे हुए थे। रविवार की शाम को ग्लेशियर में दब कर फंसे एक मृत श्रमिक को निकाला गया। उसके बाद ऑपरेशन पूरा होने का ऐलान किया गया। बता दें कि माणा में श्रमिक निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। उसी समय अचानक ऊपर से ग्लेशियर का पहाड़ उन पर टूट पड़ा और इससे कई मजदूर उसमें दब गए। सेना की ओर से पहले कहा गया था कि कुल 55 श्रमिक दब गए थे, लेकिन बाद में दबने वाले श्रमिकों की संख्या 54 बताई गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पूरा प्रशासन हरकत आया और बचाव कार्य शुरू किया गया। शुरू में रास्ते बाधित होने और बारिश के कारण राहत कार्य में दिक्कत आई, लेकिन बाद में आधुनिक उपकरणों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन तेज किया गया। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारतीय सेना और एनडीआरएफ के समन्वय में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के नेतृत्व में चमोली के माना में तीन दिवसीय उच्च जोखिम वाला बचाव अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। भारी बर्फबारी, अत्यधिक ठंड (दिन में भी -12 डिग्री सेल्सियस से -15 डिग्री सेल्सियस) और चुनौतीपूर्ण इलाके के बावजूद, बचाव दल ने खोजी कुत्तों, हाथ में पकड़े जाने वाले थर्मल इमेजर और उन्नत बचाव तकनीकों का उपयोग करके लोगों की जान बचाने के लिए अथक प्रयास किया। मृत पाया गया आखिरी लापता मजदूर देहरादून के क्लेमेंट टाउन इलाके -शेष पृष्ठ दो पर

असम में विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश मुश्किल में

कांग्रेस ने 2026 में अकेले चुनाव लड़ने का दिया संकेत

गुवाहाटी/नई दिल्ली। असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले गैर-भाजपा दलों को एक साथ लाने की कोशिश में बाधा आती दिख रही है, क्योंकि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने 2026 में मुख्य विपक्षी दल के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा की रविवार को फेसबुक पर पोस्ट ने पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया, जबकि पार्टी सांसद प्रद्युत बरदलै के कल शाम एक सर्व-विपक्षी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

पीएम मोदी ने की सोमनाथ महादेव की पूजा-आरती

सोमनाथ (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम सोमनाथ महादेव की पूजा-आरती की। इससे पूर्व सोमनाथ गीतामंदिर हेलिपैड पर प्रधानमंत्री का हेलिकॉप्टर उतरा। यहां से प्रधानमंत्री मंदिर तक वाहन में गए। इस दौरान सड़क के दोनों ओर लोगों का हुजूम उमड़ा रहा। लोग प्रधानमंत्री के एक झलक पाने को बेताब थे। मंदिर में सोमनाथ महादेव का दर्शन के बाद विद्वान पुरोहितों ने शास्त्रोक्त विधि और मंत्रोच्चारण के साथ सोमनाथ महादेव का पूजन कराया। इससे पूर्व गीता मंदिर हेलिपैड पर कलक्टर दिग्विजयसिंह जाडेजा, एसपी मनोहरसिंह जाडेजा ने प्रधानमंत्री का स्वागत अभिवादन किया। इसके अलावा जिला भाजपा प्रमुख महेंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

मतदाता पहचान पत्र संख्या में दोहराव फर्जी मतदाता होने का संकेत नहीं : ईसी

नई दिल्ली। दो अलग-अलग राज्यों में मतदाताओं को एक जैसे ही मतदाता पहचान पत्र संख्या जारी होने की खबरों के बीच चुनाव आयोग ने रविवार को कहा कि एक जैसी संख्या होने का मतलब ये नहीं है कि मतदाता फर्जी हों। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाताओं के मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन इनमें जनसांख्यिकी विवरण, विधानसभा क्षेत्र और मतदान केंद्र जैसे विवरण अलग-अलग हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि *ईपीआईसी* नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में अपने संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

जलकुंभी से कागज : असम के स्टार्टअप कंपनी की पीएम मोदी ने की तारीफ

गुवाहाटी। असम स्थित एक स्टार्टअप कंपनी कुंभी कागज जलकुंभी से कागज बना रही है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी तारीफ भी की है। जलकुंभी जिसे स्थानीय रूप से *मेटेका* के नाम से जाना जाता है, एक आक्रामक खरपतवार है जो आर्द्रभूमि को नुकसान पहुंचाता है। असम के दो युवाओं रूपांकर भट्टाचार्य और अनिकेत धर ने वेटलेंड और इकोसिस्टम को संरक्षित करने के उद्देश्य से जलकुंभी से कागज बनाने की अपनी यात्रा शुरू की है। कुंभी कागज के सह-संस्थापक रूपांकर भट्टाचार्जी ने कहा कि सह-संस्थापक अनिकेत और मैंने कुंभी कागज की स्थापना की, और हम भारत की एकमात्र कंपनी हैं जो जलकुंभी से केमिकल फ्री और हैंडपेपर कागज बनाती है। हम नोटबुक, कैलेंडर आदि बनाते हैं। हमने 2016-17 में जयादित्य पुरकायस्थ के साथ चर्चा के बाद अपनी यात्रा शुरू की। जयादित्य पुरकायस्थ हमारे गुरु हैं, और वे एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक और सरीसृप विज्ञानी हैं। रूपांकर भट्टाचार्जी ने आगे कहा कि हमें बताया कि जलकुंभी भारत में आर्द्रभूमि की -शेष पृष्ठ दो पर

नशीले पदार्थों की तस्करी पर मोदी सरकार सख्त

ड्रग मुक्त भारत बनाना हमारा संकल्प : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रविवार को नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए सरकार सख्त है। मोदी सरकार पैसे के लालच में युवाओं को नशे की लत में धकेलने वाले नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए निर्मम और सावधानीपूर्वक जांच के साथ नशीली दवाओं के खतरे का मुकाबला करना जारी रखने का संकल्प लेती है। नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे की रणनीति के साथ अचूक जांच के परिणामस्वरूप भारत भर में 12 अलग-अलग मामलों में 29 ड्रग तस्करों को अदालतों ने दोषी ठहराया है। मोदी सरकार की नशीली दवाओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करते हुए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। केंद्रीय गृह मंत्री के ट्वीट के बाद एक प्रेस विज्ञप्ति में गृह मंत्रालय ने कहा कि शाह के मार्गदर्शन में एनसीबी 2047 तक नशा मुक्त भारत के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। विज्ञप्ति में सरकार की ओर से की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी गई है। इसमें उन 12 मामलों का ब्योरा दिया गया है, -शेष पृष्ठ दो पर

वन नेशन, वन इलेक्शन के समर्थन में कैट का राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वन नेशन, वन इलेक्शन की ऐतिहासिक पहल के समर्थन में कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने देश भर में एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने यहां जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत देशभर में विभिन्न व्यापारिक संगठनों के माध्यम से सेमिनार, कार्यशाला और संवाद सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चुनाव सुधारों, आर्थिक प्रभाव और समाज तथा व्यापार जगत पर सकारात्मक प्रभाव जैसे विषयों पर चर्चा की जाएगी। कैट के -शेष पृष्ठ दो पर

धुबड़ी के ग्रामीणों ने बिना सरकारी मदद के 1.3 किलोमीटर लंबा तटबंध बनाया

धुबड़ी। लचीलेपन और आत्मनिर्भरता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए, असम के धुबड़ी जिले के ग्रामीणों ने अपने खेतों और घरों को ब्रह्मपुत्र नदी के कहर से बचाने के लिए 1.3 किलोमीटर लंबा तटबंध सफलतापूर्वक बना लिया है - वह भी पूरी तरह से सरकारी सहायता के बिना। 2024 में नदी के लगातार कटाव और भयंकर बाढ़ का सामना करते हुए, निचिनपुर और आस-पास के गांवों के निवासियों ने मामले को अपने हाथों में ले लिया और महत्वाकांक्षी परियोजना का नेतृत्व करने के लिए निचिनपुर नदी तट संरक्षण समिति (निचिनपुर नादिर-पार सुरक्षा बंद समिति) का गठन किया। कुलमुया छोटो निचिनपुर गांव में बुरा बुरी धाम से ऊपर की ओर निर्मित तटबंध का उद्देश्य हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि और मानव बस्तियों की रक्षा करना है। समिति के अध्यक्ष रहीम उद्दीन अहमद के अनुसार, यह पहल पूरी तरह से समुदाय द्वारा संचालित थी। बाढ़ के मौसम से पहले तटबंध तैयार करने के लिए ग्रामीणों ने संसाधन जुटाए, दान एकत्र किया और -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल ने गाजा पट्टी में सभी सहायता आपूर्ति पर रोक लगाई

तेल अबीब। इजराइल ने रविवार को कहा कि वह गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं की आपूर्तियों का प्रवेश रोक रहा है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस निर्णय के बारे में विस्तार से नहीं बताया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि हमास ने संघर्ष विराम के विस्तार के लिए अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उसे *अतिरिक्त परिणाम* भुगतने होंगे। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सहायता की आपूर्ति पूरी तरह से रोक दी गई है या नहीं। इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल के अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने नाहरलागुन में डोनयी पोलो न्येदर नामलो का किया दौरा

इटानगर (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा की कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने रविवार को न्यीशी जनजाति के प्रतिष्ठित स्वदेशी प्रार्थना केंद्र, डोनयी पोलो न्येदर नामलो का दौरा किया, जो अरुणाचल प्रदेश के नाहरलागुन की शांत पचिन कॉलोनी में पचिन नदी के शांत तट पर स्थित है। सूर्य (डोनी) और चंद्रमा (पोलो) की पूजा के लिए समर्पित नामलो, न्यीशी समुदाय और क्षेत्र के स्वदेशी लोगों के लिए गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व रखता है। डॉ. भागवत का श्रद्धालुओं और नामलो समिति ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके आगमन पर गहरी खुशी और आभार व्यक्त किया। श्रद्धा और विनम्रता के साथ, आरएसएस सरसंघचालक ने स्थानीय श्रद्धालुओं के साथ प्रार्थना समारोह में भाग लिया और नामलो के पवित्र और शांतिपूर्ण माहौल में खुद को एकाकार किया। अनुष्ठानों में उनकी उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी ने अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी समुदायों की सदियों पुरानी आध्यात्मिक विरासत और उनकी समय-सम्मानित परंपराओं के प्रति उनके गहरे सम्मान को उजागर किया। डोनी पोलो न्येदर नामलो न्यीशी लोगों के लिए एक आध्यात्मिक स्तंभ के रूप में खड़ा है, जहां हर रविवार को डोनी पोलो के सम्मान में प्रार्थना और अनुष्ठान किए जाते हैं - दिव्य देवता जो सार्वभौमिक अस्तित्व, ज्ञान और प्रकृति के सामंजस्य का प्रतीक हैं। डॉ. भागवत की यात्रा न केवल आध्यात्मिक एकजुटता का संकेत थी, बल्कि अरुणाचल प्रदेश के स्वदेशी समुदायों को जोड़ने वाली स्थायी सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की पुष्टि भी थी। पूरे दौरे के दौरान, डॉ. भागवत ने नामलो पुजारियों और भक्तों के साथ सार्थक चर्चा की और उनके स्वदेशी रीति-रिवाजों और परंपराओं को संरक्षित करने के प्रति उनके समर्पण को स्वीकार किया। उन्होंने आध्यात्मिक एकता को बढ़ावा देते हुए अपने पूर्वजों की पवित्र प्रथाओं को बनाए रखने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। डॉ. भागवत ने आधुनिक आकांक्षाओं के साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के संतुलन के महत्व को भी रेखांकित किया। इस बात पर जोर दिया कि डोनयी पोलो न्येदर नामलो जैसी आध्यात्मिक प्रथाएं राष्ट्र निर्माण के हमारे साझा लक्ष्य की दिशा में सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए आवश्यक हैं। यह यात्रा विश्व शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए हार्दिक प्रार्थनाओं के साथ संपन्न हुई, जिससे श्रद्धालु और प्रार्थना केंद्र में उपस्थित सभी लोग बहुत प्रेरित हुए। डॉ. भागवत की उपस्थिति ने स्वदेशी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण के गहन महत्व और सभी के लिए सामंजस्यपूर्ण और समावेशी भविष्य को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका की पुष्टि की। पूरे राज्य से एकत्रित हुए आरएसएस कार्यकर्ता शिविर के दो दिवसीय समापन के बाद डॉ. भागवत की आज चार दिवसीय अरुणाचल प्रदेश यात्रा समाप्त हो गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया है कि डॉ. भागवत का आगे के प्रवास के लिए आज शाम गुवाहाटी के लिए रवाना होने का कार्यक्रम निर्धारित था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजा अर्चना की

बांसवाड़ा/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को बांवाड़ा के तलवाड़ा स्थित शक्ति पीठ त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में सपरिवार विधि-विधान से पूजा अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इससे पहले हेलीपैड पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विधायक श्रीचन्द कृपलानी, कैलाशचन्द्र मीणा, बांवाड़ा जिला प्रमुख रेशम मालवीया, जिला कलेक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया।

गुवाहाटी-मुंबई एलटीटी एक्सप्रेस संशोधित समय पर चलेगी

गुवाहाटी (हिंस)। ट्रेन संख्या 15648 (गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस) एक्सप्रेस को 04 मार्च से संशोधित समय पर चलाने का निर्णय लिया गया है। गतिशीलता और यात्री सुविधा में बढ़ोतरी के लिए अद्यतन समय को निर्दिष्ट ठहरावों पर स्थायी रूप से लागू किया जाएगा। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने शुक्रवार को एक बयान में बताया है कि ट्रेन संख्या 15648 (गुवाहाटी-लोकमान्य तिलक टर्मिनस) एक्सप्रेस साहिबगंज स्टेशन 06-46 बजे पहुंचेगी और 06-51 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन कहलगांव 07-28 बजे पहुंचेगी और 07-30 बजे रवाना होगी। इसी तरह, ट्रेन भागलपुर स्टेशन 08-30 बजे पहुंचेगी और 08-40 बजे रवाना होगी; सुल्तानगंज स्टेशन 09-03 बजे पहुंचेगी और 09-05 बजे रवाना होगी; बरियारपुर 09-24 बजे पहुंचेगी और 09-26 बजे रवाना होगी; जमालपुर जंक्शन 09-41 बजे पहुंचेगी और 09-51 बजे प्रस्थान करेगी; अभयपुर 10-10 बजे पहुंचेगी और 10-13 बजे प्रस्थान करने के बाद अपने अंतिम गंतव्य लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) पहुंचेगी। यह उम्मीद की जाती है कि नई समय-सारणी से बेहतर ट्रेन परिचालन में मदद मिलेगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी अपनी यात्रा शुरू करने से पहले नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) पर वास्तविक समय के आधार पर ट्रेन की स्थिति और समय-सारिणी की जांच कर ले।

गुवाहाटी में एसओजी और पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) डब्ल्यूजीपीडी और गरचुक पुलिस थाना की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। रविवार को चलाए गए इस विशेष अभियान के दौरान दो कुख्यात ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान जाहिदुल इस्लाम और हैदर अली के रूप में हुई है, जो दोनों कटहबाड़ी इलाके के निवासी हैं। पुलिस ने इनके पास से पांच साबुनदानी में छिपाकर रखे गए 53 ग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में लाखों रुपए आंकी जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, एसओजी और गरचुक पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में नशे की तस्करी को अंजाम दिया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल एक टीम गठित की और छापेमारी कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये आरोपी असम में ड्रग्स की तस्करी के बड़े नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है, ताकि नशे के इस काले कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचा जा सके। गुवाहाटी पुलिस ने साफ किया है कि शहर में ड्रग्स तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान जारी रहेगा।

आगामी चुनावों के लिए एकजुट हैं कांग्रेस नेता : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि केरल में पार्टी के नेता आगामी उद्देश्यों के मद्देनजर *एकजुट* हैं। गांधी का यह बयान शुक्रवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले रणनीति को लेकर चर्चा के लिए *इंदिरा भवन* में दक्षिणी राज्य के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद आया है। बैठक के बाद केरल के नेताओं द्वारा मीडिया को दी गई जानकारी की तस्वीर पोस्ट करते हुए गांधी ने फेसबुक पर लिखा कि वे एक साथ खड़े हैं, आगे के उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। उनकी पोस्ट के साथ हैशटैग *टीम केरल* भी था। यहां कांग्रेस के मुख्यालय *इंदिरा भवन* में करीब तीन घंटे तक चली बैठक का मुख्य विषय अनुशासन, एकता और राज्य संगठन को मजबूत करना था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में गांधी ने कहा कि नेताओं को राजनीतिक रणनीति के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए और ऐसा कुछ भी नहीं करना या कहना चाहिए जो पार्टी लाइन के अनुरूप न हो। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अनुशासन, एकता सुनिश्चित करने और पार्टी की केरल इकाई को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरने पर जोर दिया था। खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन, लोकसभा सदस्य शशि थरूर और प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल थे।

प्रसिद्ध मुरली वादक, लोकसंगीत साधक पं. प्रभात शर्मा को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार प्राप्त प्रसिद्ध मुरली वादक तथा संगीतज्ञ पं. प्रभात शर्मा को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि प्रभात शर्मा केवल महान लोकसंगीत साधक ही नहीं, बल्कि अत्यंत सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके व्यक्तित्व ने हमें हमेशा मोहित किया और उनकी बांसुरी की धुनों ने हमारे मन-प्राण को पुलकित किया। असम की संस्कृति के समृद्ध क्षेत्र में प्रभात शर्मा ने जो अमूल्य योगदान दिया है, वह पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित होता रहेगा। इस पावन पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उल्लेखनीय है कि पंडित प्रभात शर्मा असम के प्रसिद्ध लोकसंगीत साधकों में से एक थे। उन्होंने असमिया लोकसंगीत को एक नई पहचान दिलाई और इसे देश-विदेश तक पहुंचाया। उनकी बांसुरी वादन की शैली अद्वितीय थी, जिसने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने विभिन्न संगीत कार्यक्रमों और लोक महोत्सवों में हिस्सा लेकर असम की सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाया। लोकसंगीत में उनके अतुलनीय योगदान के लिए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था। उनका कृत्य आज भी असमिया संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं और उनका संगीत आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

पृष्ठ एक का शेष

लेफ्ट लिबरल लोगों ...

अगर गाय का दूध नहीं पिया हो तो आज हमारा जन्म नहीं होता। मैं हमेशा मानता हूं कि जब तक भारत ने हिंदू सुरक्षित रहेगा, तब तक अन्य धर्म भी सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज जो टीएमसी का कोर वोट बैंक है। मैं नाम नहीं लेना चाहता, लेकिन आप बोलोगे तो मैं बोल भी देता हूं। आज हमारे देश के मुसलमान वोट देते हैं तो क्या सोचकर देते हैं कि यह व्यक्ति हमारा करीबी है या मैं जानता हूं कि नहीं जानता हूं। उनको मालूम है कि किसको वोट देना है। मैं उन्हें दोष नहीं दूंगा और वो जाकर जबरदस्त बोट देते हैं और घर में कोई मरा व्यक्ति है, उनके नाम पर भी वोट दे देते हैं। असम के सीएम ने कहा कि हमारे धर्म का कौन संरक्षण करेगा, मैं जानता हूं कि हमारे देश का कौन संरक्षण करेगा मैं जानता हूं। लेकिन हमारे सामने का रास्ता सही नहीं हुआ इनकम टैक्स थोड़ा ज्यादा हो गया। नई पेंशन स्कीम नहीं आई तो वोट नहीं देना चाहिए तो हमारा समाज भी चुनाव के बाद दुर्बल हो जाता है। आज हमें कुछ करने की जरूरत नहीं है, अगर हिन्दू समाज एक रहते हैं तो सेफ रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि कोई मुस्लिम ने भारत के इतिहास की किताबें नहीं बदली। रोमिला थापर जैसी व्यक्ति ने जेएनयू में बैठकर हमारे बुलंद इतिहास को विकृत किया। जेएनयू में बैठकर हमारे समाज और देश को विनाश किया जो कोई और नहीं हिन्दू ही हैं। हमें एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहिए जहां आगे चलकर कोई लेफ्ट या लिबरल का जन्म न हो। इसलिए मैं कहता हूं कि हमें एक होना चाहिए और अगर हम एक होते हैं तो कोई ममता बनर्जी हमारे सामने खड़ी नहीं हो सकती। हिमंतने ये भी कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद एक वक्त ऐसा भी आ गया कि अब लगने लगा है वक्फ खत्म होने वाला है। ट्रिपल तलाक तक खत्म हो गया और अब हमारे देश में यूसीसी आने का संकेत मिल रहे हैं।

असम पुलिस की ...

जो एक घर के मालिक को यह अनुमति देता है कि छापे से पहले पुलिस की तलाशी ली जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी), 1973 की धारा 100(3) के अनुसार, जब पुलिस किसी आवास की तलाशी लेती है, तो मालिक को यह अनुरोध करने का अधिकार है कि परिसर की तलाशी शुरू करने से पहले अधिकारियों की तलाशी ली जाए। बता दें, जिस वीडियो को लेकर सवाल खड़े किए गए हैं, उसमें पुलिस को महबुबुल हक के घर में प्रवेश करते और शिक्षक द्वारा नियोजित निजी सुरक्षा गार्डों द्वारा तलाशी लेते हुए दिखाया गया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेघालय (यूएसटीएम) के चांसलर महबुबुल हक को पिछले महीने सीबीएसई कक्षा 12 की परीक्षा के दौरान जाली जाति प्रमाण पत्र और कथित कदाचार के आरोप में असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था। 21 फरवरी को एक पुलिस टीम ने हक को देर रात उनके गुवाहाटी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों से पता चला कि हक ने परीक्षा में कथित तौर पर अनुचित साधनों का उपयोग करने में मदद करने के लिए छात्रों से पैसे लिए थे। इस मामलो के लेकर शिकायत की गई थी, जिसके बाद जांच शुरू की गई और हक को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले पर सीएम शर्मा ने कहा था कि हक फर्जी डिग्री और वित्तीय अनियमितताओं सहित कई धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय ने बिना परीक्षा आयोजित किए पीएचडी और अन्य डिग्रियां बेच दीं। बता दें, महबुबुल हक का विश्वविद्यालय पिछले मानसून के दौरान भारी जलभराव को लेकर विवाद में भी फंस गया था। मुख्यमंत्री ने तब अचानक आई बाढ़ के लिए कुछ शैक्षणिक संस्थानों द्वारा बड़े पैमाने पर वनों की कटाई को जिम्मेदार ठहराया था और हक पर *बाढ़ जिहाद* का आरोप लगाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि विश्वविद्यालय ने नई इमारतें विकसित करते समय किसी वास्तुकार से सलाह नहीं ली, अन्यथा पेड़ों को बचाया जा सकता था। उन्होंने सुझाव दिया था कि शिक्षकों और छात्रों को यूएसटीएम में जाना बंद कर देना चाहिए। हालांकि, यूनिवर्सिटी ने आरोपों से इनकार किया था।

सीएम ने ट्विन टावर्स ...

कर रहे हैं। यह विकास एडवांटेज असम 2.0 के तहत घोषित अन्य प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के साथ आता है, जिसमें गुवाहाटी एयरपोर्ट रोड के पास एक अत्याधुनिक फिल्म सिटी भी शामिल है। जनवरी 2023 में, शर्मा ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि एकीकृत निदेशालय परिसर ट्विन टावर्स के नए संस्करण के रूप में काम करेगा, जिससे मूल प्रस्ताव को प्रभावी रूप से स्थगित कर दिया गया। तब मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि अब ट्विन टावर्स का सपना देखने का कोई मतलब नहीं है। अगर हम इसकी जगह एक आईआईएम या केंद्रीय विश्वविद्यालय बना सकते हैं, तो यह अधिक फायदेमंद होगा। बेतकुची में निदेशालय भवन को ट्विन टावर की तरह डिजाइन किया गया है और इसके जरिए मैंने सर्वानंद सोनोवाल के सपने को पूरा किया है। 2018 में पहली बार घोषित ट्विन टावर परियोजना की अनुमानित लागत 2,000 करोड़ रुपए थी और इसे नेशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कंपनी (एनबीसीसी) के सहयोग से विकसित किया जाना था। हालांकि, निवेशकों की रुचि की कमी और एनबीसीसी के अंतत: पीछे हटने के कारण, महत्वाकांक्षी वाणिज्यिक केंद्र कभी साकार नहीं हो सका।

डिब्रूगढ़ विवि में ...

व्यावसायिक अवसरों से अवगत कराना था। यह कार्यक्रम राज्य में जापान से जुड़े विभिन्न शैक्षिक व व्यावसायिक सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। सरकार का मानना है कि जापानी भाषा का ज्ञान युवाओं को जापान में अध्ययन, अनुसंधान और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करेगा। असम सरकार जापान के विभिन्न संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी कर इस दिशा में और कदम उठाने की योजना बना रही है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में भारत और जापान के बीच शैक्षिक और तकनीकी सहयोग में वृद्धि हुई है। जापान की कंपनियां भारत, विशेषकर पूर्वोत्तर राज्यों में निवेश करने के प्रति रुचि दिखा रही हैं। ऐसे में जापानी भाषा सीखने से छात्रों को न केवल नई भाषाई दक्षता मिलेगी, बल्कि वे भविष्य में जापान से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार और शोध के बेहतर अवसरों का लाभ उठा सकेंगे।

कांग्रेस ने 2026...

दल की बैठक से अचानक चले जाने से भी भाजपा विरोधी मंच के गठन के लिए आम सहमति पर संदेह पैदा हो गया है। कांग्रेस, वाम दलों, रायजोर दल और असम जातीय परिषद (एजेपी) सहित विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने राज्य चुनावों के लिए गैर-भाजपा दलों को एक साझा मंच पर लाने के लिए प्रमुख नागरिकों द्वारा बुलाई गई बैठक में शनिवार शाम गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर के एक रिसॉर्ट में मुलाकात की थी। दो बार लोकसभा सांसद और पूर्व राज्य मंत्री बरदलै बैठक से बाहर निकलकर अपने वाहन में चले गए तथा बीच में ही अचानक चले जाने पर उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बोराह, जो बैठक में रुके रहे, ने बाद में किसी भी विचार-विमर्श का खुलासा करने से इनकार कर दिया और कहा कि आयोजकों द्वारा निर्णय की जानकारी दी जाएगी। हालांकि, रविवार की सुबह फेसबुक पर उनके पोस्ट से संभावित बड़े मतभेदों का संकेत मिला।

ग्लेशियर हादसा : रेस्क्यू ऑपरेशन...

का 43 वर्षीय अरविंद कुमार सिंह था। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को जिन अन्य लोगों के शव निकाले गए, उनकी पहचान उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर के अनिल कुमार (21), उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के अशोक (28) और हिमाचल प्रदेश के ऊना के हरमेश के रूप में हुई है। शवों को हेलीकॉप्टर से ज्योतिर्मठ लाया गया, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हेलीकॉप्टर, खोजी कुत्तों और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया। पहले दो दिनों तक खराब मौसम के बीच बचाव अभियान करीब 60 घंटे तक चला। हालांकि, रविवार को मौसम काफी हद तक साफ रहा। सेंट्रल कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और उत्तर भारत के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा बचाव अभियान की निगरानी के लिए हिमस्खलन स्थल पर मौजूद रहे। इससे पहले रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बचाव अभियान की जानकारी लेने के लिए उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया।

जलकुंभी से कागज...

एक बड़ी समस्या है, और जलकुंभी के कारण आर्द्रभूमि पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचता है। हमने जलकुंभी के 100 प्रतिशत रेशों को लुगदी में बदलकर कागज बनाना शुरू किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि हमारे साथ 100 से ज्यादा लोग जुड़े हुए हैं और अभी हमारी यूनिट में 16 लोग काम कर रहे हैं। हम गुवाहाटी और काजीरंगा अगोराटोली रेंज में दीपोर बील के पास एक समुदाय में काम करते हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर हमारे प्रोजेक्ट में हमारा भरपूर सहयोग कर रहे हैं। काजीरंगा में समुदाय के लोग हमारे साथ जुड़े हुए हैं। 2023 में *मन की बात* के जरिए राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलकुंभी कागज स्टार्टअप का जिक्र किया, जो जलकुंभी से कागज बना रहा है।

ड्रग मुक्त भारत ...

जिनमें अदालत ने सजा सुनाई। इसमें 2019 में गुजरात के अहमदाबाद में साबरमती रेलवे स्टेशन पर 23.859 किलोग्राम चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और 14 साल जेल की सजा सुनाई गई। इसके बाद जुलाई 2022 में मध्य प्रदेश के मंदसौर में एनसीबी ने शहडोल में 123.080 किलो गांजा जब्त किया। मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और प्रत्येक को 2 लाख रुपए के जुर्माने के साथ 12 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई। चंडीगढ़ जोन में एनसीबी के अधिकारियों ने लुधियाना के डीएचएल एक्सप्रेस में 438 ग्राम अफीम से भरे दो हॉकी स्टिक वाले पार्सल को रोका था। इसमें गिरफ्तार दो आरोपियों को अफीम को कनाडा ले जाने के प्रयास में उनकी भूमिका के लिए पंजाब की एक अदालत ने तीन साल कैद की सजा सुनाई थी। विज्ञप्ति में कहा गया कि एनसीबी ने 2021 में चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर 390 ग्राम चरस रखने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जांच पूरी होने पर एक विशेष अदालत ने उसे छह महीने जेल की सजा सुनाई। जून 2021 में एनसीबी ने कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जिम्बाब्वे की एक महिला को रोका। उसके पास से 2.910 किलोग्राम हेरोइन बरामद हुई और जब्त की गई। उसे एर्नाकुलम की अदालत ने 11 साल जेल की सजा सुनाई। वहीं जनवरी 2018 में 450 ग्राम चरस के साथ देहरादून में एक व्यक्ति की गिरफ्तारी हुई। उसे एक साल जेल की सजा सुनाई गई। 2021 में दो आरोपियों के कब्जे से 1.950 किलोग्राम चरस जब्त की गई। मामले में जनवरी 2025 में अदालत ने आरोपी को 10 साल जेल की सजा सुनाई। फरवरी 2021 में एनसीबी ने तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में 681.8 किलोग्राम गांजा जब्त किया। आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत ने 10 साल की जेल की सजा सुनाई। सितंबर 2021 में एनसीबी ने मध्य प्रदेश के सिवनी में 152.665 किलोग्राम गांजा जब्त किया। चार लोगों को गिरफ्तार किया गया और विशेष अदालत ने 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। जुलाई 2020 में पश्चिम बंगाल के प्लासी और कृष्णानगर के बीच एक ट्रक से 1,301 किलोग्राम गांजा जब्त किया। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक को 15 साल के कारावास की सजा सुनाई गई।

वन नेशन, वन इलेक्शन...

राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया का मानना है कि बार-बार चुनाव होने से देश की आर्थिक प्रगति बाधित होती है, सरकारी नीतियों का कार्यान्वयन धीमा हो जाता है और व्यापारिक गतिविधियों पर नकारात्मक असर पड़ता है। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जाएं, तो इससे व्यापार, उद्योग और अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलेगी, साथ ही सरकार की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। अभियान के तहत व्यापारिक संगठनों के माध्यम से वन नेशन, वन इलेक्शन की जानकारी आम जनता और व्यापारियों तक पहुंचाई जाएगी। विभिन्न राज्यों में व्यापार संगठनों द्वारा विशेषज्ञों के साथ परिचर्चाएं आयोजित की जाएंगी। चुनाव सुधार विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री, कानूनी विशेषज्ञ और नीति निर्धारकों को आमंत्रित किया जाएगा। इस अभियान के तहत देशभर के व्यापारियों से सुझाव और समर्थन जुटाए जाएंगे। खंडेलवाल ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन से देश का लोकतांत्रिक ढांचा और मजबूत होगा, विकास कार्यों की रफ्तार तेज होगी और व्यापार जगत को स्थिरता मिलेगी। बार-बार चुनाव होने से सरकारी मशीनरी पर भारी आर्थिक बोझ पड़ता है और प्रशासन ठप हो जाता है। देश भर के व्यापारी कैट के झंडे तले इस ऐतिहासिक पहल का पूर्ण समर्थन करता है और इसे सफल बनाने के लिए देशभर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाएगा। कैट का यह अभियान व्यापारी वर्ग, सिविल सोसाइटी, नागरिक, समाज और नीति निर्धारकों को एक मंच पर लाकर वन नेशन, वन इलेक्शन की आवश्यकता पर सार्थक संवाद स्थापित करेगा। प्रधानमंत्री मोदी के इस दूरदर्शी कदम से देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आर्थिक ढांचा मजबूत होगा, जिससे भारत वैश्विक स्तर पर एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। इस अभियान से जुड़ने और समर्थन देने के लिए कैट ने देशभर के व्यापारियों और संगठनों को जुड़ने के लिए आमंत्रित किया है।

धुबड़ी के ग्रामीणों ...

स्वेच्छा से काम किया। स्थानीय लोगों द्वारा जेसीबी और ट्रैक्टर जैसी भारी मशीनरी नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई, जबकि बोल्डर पिचिंग के साथ महत्वपूर्ण 300 मीटर के हिस्से को मजबूत करने के लिए बोल्डर खरीदे गए। रेत नदी में जमा भूमि (चार) से प्राप्त की गई थी, और तकनीकी देखरेख निजी तौर पर नियुक्त इंजीनियरों द्वारा की गई थी। बेलडुबी, निचिनपुर, मेदोरतारी, चिरकुटी और डिंगडिंगा गांव पंचायतों के अंतर्गत आने वाले गांवों में निर्माण कार्य में पहले से ही उल्लेखनीय प्रगति हुई है। समिति के सचिव ताराचंद अली ने बताया कि बोल्डर पिचिंग का काम पूरा होने के बाद, तटबंध की नींव को मजबूत करने के लिए जियोबैग लगाए जाएंगे। इस स्व-चालित परियोजना ने असम भर में व्यापक प्रशंसा प्राप्त की है, जो जमीनी स्तर पर आपदा न्यूनीकरण का एक दुर्लभ उदाहरण है। जबकि अधिकांश समुदाय बाढ़ सुरक्षा के लिए सरकारी हस्तक्षेप पर निर्भर हैं, निचिनपुर के ग्रामीणों ने यह प्रदर्शित किया है कि सामूहिक दृढ़ संकल्प और सक्रिय प्रयासों से स्थायी समाधान निकल सकते हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि उनकी सफलता की कहानी अन्य बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों को भी इसी तरह की पहल करने के लिए प्रेरित करेगी, जिससे ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास में आत्मनिर्भरता की भावना को बल मिलेगा।

इजराइल ने गाजा...

सेना वापस बुलाने और स्थायी युद्ध विराम के बदले में हमास दर्जनों शेष बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल ने रविवार सुबह कहा कि वह *पासओवर* या 20 अप्रैल तक संघर्ष विराम को आगे बढ़ाने के पक्ष में है। इसने कहा कि यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पश्चिम एशिया के दूत स्टीव विटकॉफ की ओर से आया है।

पीएम मोदी ने की ...

पीठिया, जिला पंचायत प्रमुख मंजूलाबेन मुछाल, नगरपालिका प्रमुख पल्लवी जानी ने भी प्रधानमंत्री का अभिवादन किया। सोमनाथ मंदिर में पूजन और आरती करने के बाद प्रधानमंत्री ने मंदिर के ट्रस्टियों के साथ बैठक कर मंदिर के विकास कार्यों की जानकारी ली। इसके बाद वे सासण के लिए हेलिॉप्टर से रवाना हुए। सासण गिर हेलिपैड पर राज्य के वन एवं पर्यावरण मंत्री मुलु बेरा, सांसद राजेश चुडास्मा, जिला पंचायत प्रमुख हरेश ठुंमर, मुख्य सचिव पंकज जोशी, वन एवं पर्यावरण विभाग के प्रधान सचिव संजीव कुमार, कलक्टर अनिल कुमार राणावसिया, एसपी भगीरथसिंह जाडेजा और जिला भाजपा प्रमुख किरीट पटेल ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। सासण में वे सिंह सदन में रात्रि विश्राम करेंगे। सोमवान सुबह 6 बजे प्रधानमंत्री शेर दर्शन करेंगे। इसके बाद वे वन विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ वल्ड वाइल्ड कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगे। इसके बाद वे राजकोट जाएंगे जहां से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे।

मतदाता पहचान पत्र ...

निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्धारित मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां उसका मतदाता सूची में नाम दर्ज है, और कहीं और नहीं। आयोग ने कहा कि ईपीआईसी नंबर चाहे जो भी हो, लेकिन कोई भी मतदाता सिर्फ अपने राज्य में, जहां वह बतौर मतदाता पंजीकृत है, वहीं पर अपनी विधानसभा में, अधिकृत पोलिंग स्टेशन पर ही मतदान कर सकता है। ईपीआईसी नंबर, चुनाव फोटो पहचान पत्र का संक्षिप्त रूप है। मतदाता पहचान पत्र का उपयोग मतदाता चुनाव के दौरान वोट डालने के लिए करते हैं। ईपीआईसी नंबर प्रत्येक मतदाता को सौंपा गया एक अद्वितीय अल्फान्यूमेरिक कोड है, जो चुनाव के दौरान उनकी पहचान को पहचानने और सत्यापित करने में मदद करता है। चुनाव के दौरान ईपीआईसी नंबर का उपयोग मतदाता की पहचान को प्रमाणित करने के लिए किया जाता है। यह व्यापक सत्यापन प्रक्रिया पहचान की चोरी, दोहराव और अन्य संभावित दुरुपयोग से बचाती है।

पुलिस को धमकी देने का आरोपी गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। असम के मोरीगांव जिले में पुलिस अधिकारी से दुर्व्यवहार और शारीरिक हमला करने के आरोप में कथित राजनीतिक कार्यकर्ता रफीकुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि आरोपी भूरागांव इलाके का भाजपा कार्यकर्ता बताया जाता है। मामला 24 फरवरी की शाम का है, जब पुलिस अधिकारी देवजीत सैकिया ने एक महिला आरोपी को पूछताछ के लिए थाने में बैठाया था। इसी दौरान करीब 8ः40 बजे बहारुल इस्लाम और फरीद उद्दीन के नेतृत्व में कुछ लोग थाने पहुंचे और अधिकारी से बहस करने लगे। इस दौरान उन्होंने धक्का-मुक्की भी की, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इसी बीच, कुछ अज्ञात लोगों के साथ रफीकुल इस्लाम भी थाने पहुंचा। उसने पुलिस कर्मी के विरोध के बावजूद अंदर घुसकर अधिकारी देवजीत सैकिया से बहस की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। इसके अलावा, थाने की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी की गई।

भाजपा का मूलमंत्र राष्ट्र प्रथम, विचारधारा और प्रतिबद्धता में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष और सांसद दिलीप सैकिया ने कहा है कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय विचारधारा की सशक्त अभिव्यक्ति है, जो *राष्ट्र प्रथम* के सिद्धांत पर दृढ़ता से कायम है। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार के बीच पूर्ण समन्वय है और दोनों मिलकर समाज कल्याण व जनहित के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। सैकिया ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन होने के साथ-साथ एक परिवर्तनकारी आंदोलन का नेतृत्व कर रही है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय विकास और जनकल्याण को प्राथमिकता देना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा की कार्यप्रणाली सामूहिक नेतृत्व और समन्वित प्रयासों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सरकार को एक अलग इकाई के रूप में नहीं देखती, बल्कि दोनों को एक पूरक शक्ति मानती है, जो जनता के साथ स्थायी संबंध बनाने और

जनकल्याणकारी योजनाओं को समावेशी रूप से लागू करने के लिए कार्यरत रहती है। प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्षी दलों द्वारा भाजपा की नीतियों को लेकर की जाने वाली आलोचनाओं को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पार्टी की मजबूत जमीनी पकड़ से घबराकर विरोधी निराधार आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के समर्पित कार्यकर्ता ऐसी बेबुनियाद बातों से विचलित नहीं होते, बल्कि ये चुनौतियां हमारी सेवा भावना को और अधिक सशक्त करती हैं। सैकिया ने असम की राजनीति में एक नई प्रवृत्ति पर चिंता जताई, जहां वैचारिक रूप से असंगत दल बिना किसी ठोस दृष्टि या नीति के गठबंधन बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये नेता केवल राजनीतिक मंच पर बने रहने के लिए प्रयासरत हैं, जबकि पिछले एक दशक में असम के सामाजिक-आर्थिक विकास में उनका कोई योगदान नहीं रहा। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने *झूमुर बिर्नंदिनी* महोत्सव और *एडवांटेज असम 2.0* को ऐतिहासिक आयोजन बताया। उन्होंने कहा कि *झूमुर बिर्नंदिनी* महोत्सव ने चाय जनजाति समुदाय की समृद्ध झूमुर नृत्य कला को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाई, वहीं *एडवांटेज असम 2.0* ने राज्य को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित किया। इसके तहत पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक का निवेश सुनिश्चित किया गया है, जिससे अभूतपूर्व आर्थिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा की दूरदृष्टि और नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल मार्गदर्शन में असम नए विकास युग में प्रवेश कर रहा है। भाजपा के 64 लाख समर्पित कार्यकर्ताओं की ओर से सैकिया ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए उनके प्रयासों की प्रशंसा की।

कोकराझाड़ में *नागरिक सभा* में केंद्रीय बजट 2025-26 पर हुई चर्चा

कोकराझाड़ (हिंस)। केंद्रीय बजट 2025-26 और इसके विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा करने के लिए आज कोकराझाड़ के तेरापंथ भवन में एक *नागरिक सभा* का आयोजन किया गया। असम की कैबिनेट मंत्री नंदिता गार्लोसा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। मंत्री गार्लोसा ने अपने संबोधन में बताया कि केंद्र सरकार की वित्तीय योजनाएं किस प्रकार क्षेत्र के विकास में योगदान देंगी और विभिन्न समुदायों को लाभ पहुंचाएंगी। नागरिक सभा के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को मंत्री नंदिता गार्लोसा ने संबोधित किया। यह सभा कोकराझाड़ जिला भाजपा द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें आम जनता, पार्टी कार्यकर्ता और व्यापारी शामिल हुए। सभा ने बजट के प्रभावों को समझने और सामूहिक रूप से समाधान तलाशने के लिए एक सहयोगात्मक वातावरण तैयार किया। सभा का उद्देश्य बजट आवंटन के बारे में जागरूकता बढ़ाना और केंद्रीय, राज्य और परिषद बजट के कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करना था, जिसमें मुख्य रूप से विकास और कल्याणकारी पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया जा सकें।

एलजीबीआई एयरपोर्ट का इंटीग्रेटेड टर्मिनल इस वर्ष अंत तक होगा तैयार : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय (एलजीबीआई) हवाई अड्डे का इंटीग्रेटेड टर्मिनल इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा और असम के बढ़ते हवाई यातायात की मांग को पूरा करेगा। यह जानकारी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दी। रविवार को मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने हवाई अड्डे के निर्माणकार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि *एडवांटेज असम 2* प्रदर्शनी में इस नए टर्मिनल के स्केल मॉडल और सुविधाओं की समीक्षा की। यह नया टर्मिनल राज्य के हवाई संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करेगा

और यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे का इंटीग्रेटेड टर्मिनल इस वर्ष के अंत तक तैयार हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी का एलजीबीआई एयरपोर्ट पूर्वोत्तर भारत का सबसे व्यस्त हवाई अड्डा है, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री यात्रा करते हैं। बीते कुछ वर्षों में असम और पूर्वोत्तर राज्यों में हवाई यात्रा की मांग तेजी से बढ़ी है, जिससे मौजूदा टर्मिनल पर दबाव बढ़ गया है। नए टर्मिनल की खासियत यह है कि नया इंटीग्रेटेड टर्मिनल आधुनिक तकनीकों से लैस होगा और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करेगा। इसमें विस्तृत चेक-इन काउंटर, हाई-स्पीड बैगेज सिस्टम, अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था और अधिक गेट होंगे, जिससे भीड़भाड़ कम होगी और यात्रा अनुभव बेहतर होगा। इसके बन जाने से हवाई कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलेगा। सरकार का मानना है कि इस नए टर्मिनल से गुवाहाटी हवाई अड्डे की क्षमता बढ़ेगी और अधिक घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू करने का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे असम की व्यापारिक और पर्यटन संभावनाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

शक्ति आश्रम में 30 मार्च को होगा आक्रासू के विभाजित समूहों का एकीकरण

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम के शक्ति आश्रम स्थित स्वामी जोगानंद गिरि महाविद्यालय प्रेक्षागृह में आगामी 30 मार्च को अखिल कोच राजवंशी छात्र संघ (आक्रासू) के विभाजित समूहों के एकीकरण के लिए एक बैठक आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी आज फकीराग्राम के ऑफिसर्स क्लब में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आक्रासू के विभाजित समूहों के एकीकरण समिति के सदस्यों ने दी। संवाददाता सम्मेलन में आनंद बर्मन, हरमोहन मेधी, रमोला राय सरकार, राजीव राय, बलदेव राय, निवास चौधरी, रूपांजलि देरी, माणिक बरुवा और खजिन राय उपस्थित थे।

मणिपुर: 15 एकड़ अफीम की खेती नष्ट कई बंकर ध्वस्त, हथियारों का जखीरा बरामद

इम्फाल (हिंस)। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले के खुड़ई लाइफम पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा बल और वन विभाग ने एसडीएम, तेंगनौपाल की उपस्थिति में अवैध अफीम की खेती नष्ट करने का अभियान चलाया। इस दौरान तेंगनौपाल थाना क्षेत्र में फैले 15 एकड़ क्षेत्र में अवैध अफीम की फसल को नष्ट कर दिया गया। दूसरी कार्रवाई में, सुरक्षा बलों ने कांगपोकपी जिले के थिंगसाट हिल रेंज में मार्क हिल पर दो अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा, वाकान हिल रेंज में कांगपोकपी और इंफाल ईस्ट जिलों की सीमा पर तीन अन्य अवैध बंकरों को नष्ट किया गया। इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों द्वारा सर्च ऑपरेशन के दौरान बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। इनमें 5.56 मिमी इंसास एलएमजी, एके-56 राइफल, एसएलआर राइफल, एसएमजी 9 मिमी कार्बाइन, .303 राइफल, डबल बैरल गन, विभिन्न मैगजीन और गोलियां शामिल हैं। साथ ही, चार उच्च विस्फोटक हैंड ग्रेनेड, एक चीनी हैंड ग्रेनेड, दो कैमोफ्लाज हेलमेट, तीन बुलेटप्रूफ जैकेट,

चार बीपी प्लेट्स, एक मैगजीन पाउच और एक खुकरी भी बरामद की गई। यह बरामदगी लामशांग थाना क्षेत्र के सैरमखुल इलाके से की गई। सुरक्षा बलों द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई से अवैध गतिविधियों पर सख्त शिकंजा कसा जा रहा है।

राज्यपाल ने प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के ध्यान कक्ष *पिरामिड* का किया लोकार्पण

गुवाहाटी (हिंस)। क्षेत्र में आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को उत्तर गुवाहाटी के फुलुंग में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के *पिरामिड* नामक ध्यान कक्ष का उद्घाटन किया। प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित आध्यात्मिक कार्यक्रम में बोलते हुए, राज्यपाल आचार्य ने ब्रह्मकुमारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्था आध्यात्मिक जागृति से आगे बढ़कर नैतिक मूल्यों को बढ़ाने, सामाजिक सेवा को बढ़ावा देने, वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने और समाज की बेहतरी के लिए जागरूकता बढ़ाने का काम करती है। उन्होंने ब्रह्मकुमारी के सदस्यों द्वारा प्रदर्शित निस्वार्थ सेवा, समर्पण और भक्ति के लिए अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त की और कहा कि मैं इस संस्था के सभी समर्पित सदस्यों को नमन करता हूं जो मानवता के कल्याण के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। राज्यपाल आचार्य ने ध्यान के महत्व पर भी बात की

और कहा कि इसका मतलब भौतिक दुनिया से खुद को अलग करना नहीं है, बल्कि खुद से गहरा संबंध बनाना है। उन्होंने कहा कि योग और ध्यान दो ऐसे स्तंभ हैं जो मानव जीवन में संतुलन लाते हैं। ध्यान के बिना योग अधूरा है। उन्होंने सभी को आंतरिक शांति और आत्म-जागरूकता के लिए इन अभ्यासों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत पर विचार करते हुए, आचार्य ने कहा कि देश सहस्राब्दियों से आध्यात्मिक जागृति का प्रतीक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक परंपरा ने दुनिया के लिए योग, ध्यान, वेदांत और भक्ति का मार्ग प्रशस्त किया है। आध्यात्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों में वैश्विक नेता के रूप में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए, आचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत की सनातन संस्कृति, जो सत्य, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे में निहित है, पूरे विश्व को प्रबुद्ध कर रही है। राज्यपाल ने राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी शीला बहन को भी अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी असम, विशेषकर पूर्वोत्तर में आजीवन आध्यात्मिक सेवा ने कई लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। इस अवसर पर गुवाहाटी सब-जोन की प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी रुक्मणी बहन, यूथ विंग, गुजरात की जोनल समन्वयक राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी जोनाली बहन, ब्रह्मकुमारी, न्यू गुवाहाटी सेंटर की प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी जागृति बहन, राजयोगिनी ब्रह्मकुमारी मून बहन सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भबेन चौधरी आपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

गुवाहाटी (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) की असम इकाई ने अपने राष्ट्रीय संयुक्त सचिव भबेन चौधरी को कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला पार्टी की कार्यकारिणी समिति की रविवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। मनोज धनवार, जो पार्टी के स्थायी प्रदेश अध्यक्ष हैं, व्यक्तिगत कारणों से सक्रिय नहीं हैं, जिसके चलते चौधरी को जिम्मेदारी सौंपी गई। चौधरी इससे पहले भी असम आआपा के प्रमुख रह चुके हैं, लेकिन पिछले साल सितंबर में धनवार को अध्यक्ष बनाया गया था। पदभार संभालते ही चौधरी ने राज्य में कथित बढ़ती राजनीतिक हिंसा, लोकतांत्रिक विरोधों के दमन और विपक्षी नेताओं व उनके परिवारों को बदनाम करने के षड्यंत्र की कड़ी आलोचना की।

सेना के पूर्व सैनिकों के लिए मेगा रैली आयोजित

शोणितपुर (हिंस)। सेना के गजराज कोर के तत्वावधान में शोणितपुर जिले के घोरामारा स्थित हेम बरुवा हायर सेकेंडरी स्कूल में पूर्व सैनिक मेगा रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में 3000 से अधिक पूर्व सैनिक, युद्ध विधवाएं, वीर नारियां एवं युद्ध में घायल सैनिकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मेजर जनरल एचएस गिल, वाईएसएम, जीओसी, 71 इन्फैंट्री डिवीजन ने पूर्व सैनिकों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उनके बलिदान को नमन् किया। असम सैनिक कल्याण निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर (सेवा निवृत्त) पोलाश चौधरी, एसएम ने जरूरतमंद अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता प्रदान की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत सरकार और असम सरकार पूर्व सैनिकों की समस्याओं, मुद्दों और कल्याण को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व सैनिकों के लिए नई कल्याणकारी योजनाएं और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने पूर्व सैनिक समुदाय से इन योजनाओं की जानकारी रखने और इनका लाभ उठाने की अपील की। साथ ही, असम के राज्यपाल की *राष्ट्रीय कृतज्ञता एवं जागरूकता* योजना में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया, जिसका उद्देश्य स्कूल और कॉलेज के युवाओं में अनुशासन, राष्ट्र सर्वोपरि भावना और देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना है। रैली में पूर्व सैनिकों की भलाई और जागरूकता के लिए कई काउंटर लगाए गए, जिनमें पीसीडीए (पेंशन) के प्रतिनिधि, एसबीआई, एक्सिस बैंक, पशुपालन एवं कृषि विभाग सहित अन्य संस्थान शामिल थे।

आलोपती में पुलिस ने नशा विरोधी अभियान चलाकर एक को किया गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। ऐसे समय में जब बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के आलोपतीचर पुलिस स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों का एक वर्ग लंबे समय से ड्रग्स और नशीले पदार्थों का गर्मजोशी के कारोबार चलाया जा रहा था। इसी नशा विरोधी के खिलाफ आलोपतीचर पुलिस ने अभियान चलाकर एक कुख्यात ड्रग पेडलर को गिरफ्तार किया और बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त किए। जानकारी के अनुसार आलोपति पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी देबाशीष कश्यप के नेतृत्व में आलोपती गांव में खैमुद्दीन के घर पर छापा मारा गया। जहां पुलिस ने खैमुद्दीन के बेटे बहारुल के कमरे से कुख्यात ड्रग पेडलर बहारुल इस्लाम को 136.18 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया, जिसमें चार साबुन के डिब्बे और 46 ड्रग से भरे कंटेनर शामिल थे। यह ध्यान देने योग्य है कि हालांकि पुलिस ने समय-समय पर छापे मारकर इस तरह के ड्रग व्यापार में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, लेकिन कुछ तस्कर बड़े क्षेत्रों में ड्रग्स की तस्करी करना जारी रखते हैं। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से ग्रेटर चर क्षेत्र में नशे के कारोबार को जल्द से जल्द पूरी तरह बंद करने की मांग की है।

अरमान मलिक, निखिता गांधी, इक्का और डीजे योगी के साथ रॉयल स्टैग बूमबॉक्स की धुन पर थिरका गुवाहाटी

गुवाहाटी। *लिविंग इट लार्ज* की भावना का जश्न मनाते हुए, सीग्राम के रॉयल स्टैग ने 1 मार्च को गुवाहाटी, असम के सरुसजाई स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में एक शानदार शो के साथ रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के अपने बहुप्रतीक्षित तीसरे संस्करण की शुरुआत की। पिछले संस्करणों की अभूतपूर्व सफलता के आधार पर, इस वर्ष का उत्सव संगीत और गेमिंग मनोरंजन के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाकर सीमाओं को और भी आगे ले जाता है। शाम को जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी गई क्योंकि भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध कलाकारों के प्रदर्शन का अनुभव करने के लिए हजारों की संख्या में प्रशंसक एकत्र हुए। इस कार्यक्रम ने स्पंदनशील संगीत, मनमोहक प्रदर्शन और अद्वितीय ऊर्जा की एक अविस्मरणीय रात पेश की। गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम परिसर का विशाल मैदान जीवंत प्रतिष्ठानों, मनमोहक कला प्रदर्शनों, क्यूरेटेड खाद्य अनुभवों और इंटरैक्टिव क्षेत्रों के साथ जीवंत हो उठा, जिसने संगीत से परे एक बहु-संवेदी उत्सव का निर्माण किया। शाम की शुरुआत डीजे योगी के एक शानदार सेट से हुई, जिसने रात के लिए एकदम सही माहौल तैयार किया। रैप आइकन इक्का ने अपनी शानदार धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, उसके बाद पावरहाउस परफॉर्मर निखिता गांधी ने

अपनी बहुमुखी गायन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ग्रैंड फिनाले में संगीत के उस्ताद अरमान मलिक ने एक शानदार समापन कार्यक्रम पेश किया, जिसमें विभिन्न संगीत शैलियों के विशिष्ट मिश्रण को पूरी तरह से दर्शाया गया, जिसने जनरेशन लार्ज के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बनाया। गायक-गीतकार अरमान मलिक ने कहा कि संगीत हमेशा से लोगों से जुड़ने का मेरा तरीका रहा है, चाहे वे कहीं से भी हों और कोई भी भाषा बोलते हों। पिछले साल पूरे देश में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के लिए प्रदर्शन करना एक अविस्मरणीय अनुभव था-हर शहर में भीड़ की ऊर्जा वाकई बहुत शानदार थी। मुझे अद्भुत लोगों से मिलने, विभिन्न संस्कृतियों का अनुभव करने और खुद से यह देखने का मौका मिला कि संगीत कैसे सभी को एक साथ लाता है। इस मौके पर गायिका निखिता गांधी ने कहा कि व्यक्तिगत रूप से मेरे लिए, रॉयल स्टैग बूमबॉक्स हमेशा संगीत के माध्यम से प्रयोग करने और सीमाओं को तोड़ने के बारे में रहा है। चाहे वह शैलियों को मिलाना हो या एक शानदार लाइव प्रदर्शन देना हो, यह मंच हमें रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाने की अनुमति देता है। गुवाहाटी में रॉयल स्टैग बूमबॉक्स में प्रदर्शन करना एक अविस्मरणीय अनुभव था। वहीं रैप आइकन इक्का ने कहा कि रॉयल स्टैग बूमबॉक्स को जो खास बनाता है वह यह है कि यह हर कलाकार को अपनी अनूठी ध्वनि और वाइब दिखाने का मौका देता है। यह सब वास्तविक कहानियों, शानदार बीट्स और अविस्मरणीय क्षणों के बारे में होने वाला है! गुवाहाटी में इतनी शानदार ऊर्जा के साथ यात्रा का समापन करना वाकई एक अविश्वसनीय अनुभव था। डीजे योगी ने कहा कि रॉयल स्टैग बूम बॉक्स का उद्देश्य संगीत के माध्यम से भीड़ को थिरकाना और जीवंत महसूस कराना है। एक डीजे के रूप में, मेरा लक्ष्य एक शानदार माहौल बनाने के लिए बीट्स और शैलियों को मिलाना है। मैं इस साल अपना हाई-एनर्जी सेट लाने और इस कार्यक्रम को एक बड़ी, अविस्मरणीय पार्टी में बदलने के लिए उत्साहित हूं! रात की शुरुआत करना और इस तरह के अविश्वसनीय प्रदर्शनों के लिए लय सेट करना एक रोमांचकारी अनुभव था। परनोड रिकार्ड इंडिया के मुख्य विपणन अधिकारी और वैश्विक व्यापार विकास प्रमुख कार्तिक मोहिंद्रा ने कहा कि संगीत की सार्वभौमिक भाषा, विशेष रूप से लाइव अनुभवों में, लोगों को एकजुट करने और शुद्ध जादू के क्षण बनाने की यह उल्लेखनीय शक्ति है। रॉयल स्टैग अपने प्रमुख युवा जुनून स्तंभ के रूप में संगीत का जश्न मनाना जारी रखता है। अब, जब हम रॉयल स्टैग बूमबॉक्स के तीसरे संस्करण का अनावरण कर रहे हैं, तो यह प्लेटफॉर्म एक रोमांचक नए साउंडस्केप के साथ अनुभव को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसमें बॉलीवुड की धुनों को हिप-हॉप की धड़कनों के साथ-साथ कला और सांस्कृतिक अनुभवों के साथ मिलाया गया है, जो वास्तव में लिविंग इट लार्ज के ब्रांड दर्शन का उदाहरण है। ईएनआईएल के सीईओ यतीश महर्षि ने कहा कि रॉयल स्टैग बूमबॉक्स संगीत के जादू के माध्यम से लोगों को एक साथ लाने के बारे में है-यह वह जगह है जहां नवाचार संस्कृति से मिलता है, और परंपरा आधुनिक वाइब्स के साथ सहजता से मिलती है। ईएनआईएल में, हम किसी ऐसी विशेष चीज पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं जो विविधता का जश्न मनाती है और अविस्मरणीय क्षण बनाती है। यह संस्करण मानक को बढ़ाने, ऊर्जा, आनंद और यादें प्रदान करने की दिशा में एक कदम आगे है जिसे देश भर के संगीत प्रेमी जीवन भर संजो कर रखेंगे। सीग्राम का रॉयल स्टैग बूमबॉक्स भारत की विविधतापूर्ण संगीत संस्कृति का उत्सव है, जो प्रतिष्ठित कलाकारों और नई प्रतिभाओं को एक साथ लाकर ध्वनियों का एक गतिशील मिश्रण तैयार करता है। संगीत वर्षों से ब्रांड के लिए उपभोक्ता जुड़ाव का एक प्रमुख स्तंभ रहा है। यह मंच बॉलीवुड की सदाबहार धुनों को हिप-हॉप की कच्ची ऊर्जा के साथ एक साथ लाता है, जिससे आज की पीढ़ी-जनरेशन लार्ज की मूल ध्वनि तैयार होती है। इस उत्सव का अनूठा प्रारूप एक अलग ध्वनि बनाता है जो आज के युवाओं के साथ प्रतिध्वनित होती है-एक ऐसा समूह जो रुझानों का अनुसरण करने के बजाय उन्हें बनाता है। रॉयल स्टैग बूमबॉक्स जल्द ही मूल साउंडट्रैक जारी करेगा जिसमें मधुर और हिप-हॉप तत्वों का मिश्रण होगा, जिसे डिजिटल प्लेटफार्मों पर वीडियो के साथ एकल के रूप में जारी किया जाएगा।

संपादकीय

खाद का संकट

देश के कई राज्यों में रासायनिक खादों की मांग में अप्रत्याशित वृद्धि ने नीति-नियंताओं को चौंकाया है। विशेषकर हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है। साथ ही दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इतना ही नहीं, केंद्रीय उर्वरक विभाग आपूर्ति श्रृंखलाओं की निगरानी और रासायनिक खादों के रिसाव पर अंकुश लगाने के लिये विभिन्न मंत्रालयों के साथ समन्वय कर रहा है। कोशिश है कि किसानों को सब्सिडी पर मिलने वाली खाद के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। आशंका जतायी जा रही है ऐसी कोशिश पर यदि समय पर अंकुश नहीं लगाया गया तो कालांतर किसानों के लिये खाद की आपूर्ति बाधित हो सकती है। जिसके सामाजिक व राजनीतिक निहितार्थों को समझते हुए केंद्र सरकार के संबंधित विभाग सतर्क प्रतिक्रिया दे रहे हैं। यह तथ्य निर्विवाद है कि खेती में अत्यधिक उर्वरकों का उपयोग एक जटिल समस्या बनता जा रहा है। दरअसल, आम किसानों को ठोस जानकारी नहीं मिल पाती कि इसका कितना उपयोग अधिक फसल लेने व भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिये काफी है। आम किसान पैदावार बढ़ाने के लिये बड़ी मात्रा में यूरिया का उपयोग करते हैं। खासकर नई उच्च नाइट्रोजन वाली गेहूं की किस्मों के लिये। वहीं एनपीके यानी सोडियम, फॉस्फोरस व पोटेशियम उर्वरक की खपत में वृद्धि ने यूरिया पर निर्भरता को और अधिक बढ़ा दिया है। जिससे मिट्टी का क्षरण, कीट जोखिम बढ़ने के साथ ही भूजल प्रदूषण में तेजी से वृद्धि हो रही है। निर्विवाद रूप से रासायनिक उर्वरकों का अंधाधुंध उपयोग न केवल मिट्टी के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है बल्कि कृषि भूमि की दीर्घकालीन उपादेयता को भी कम कर रहा है। उर्वरकों की खपत में तेजी से वृद्धि देश की आर्थिकी पर प्रतिकूल असर डाल रही है। उर्वरकों के आयात पर देश की बढ़ती निर्भरता वित्तीय संकट को भी बढ़ावा दे रही है। देश वार्षिक रूप से करीब 75 लाख टन यूरिया का आयात करता है। यूरिया की बढ़ती वैश्विक कीमतों ने उर्वरक सब्सिडी को 1.75 ट्रिलियन रुपये से अधिक कर दिया है। यदि इस स्थिति पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो बढ़ती उर्वरक मांग अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालेगी। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि सरकार उर्वरक की बिक्री की निगरानी को सशक्त बनाए। सब्सिडी वाली रासायनिक खाद का दुरुपयोग करने वालों के लिये सख्त दंड की व्यवस्था लागू करने की जरूरत है। इसके अलावा किसानों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि खेती में खाद का उपयोग कैसे संतुलित ढंग से किया जाना चाहिए। रासायनिक खाद की बिक्री को अनियंत्रित छोड़ देने से न केवल संकट का असर करदाताओं पर बोझ बढ़ाएगा वरन अर्थव्यवस्था पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

हरियाणा में यूरिया और डाई-अमोनियम फॉस्फेट यानी डीएपी की खपत में तीव्र वृद्धि ने उर्वरक मंत्रालय की चिंताएं बढ़ा दी हैं। यह तथ्य चौंकाने वाला है कि इस रबी के सीजन में हरियाणा में यूरिया खाद का उपयोग अट्ठारह फीसदी तक बढ़ गया है। जबकि कुछ जिलों में डीएपी की खपत में 184 फीसदी का उछाल देखा गया है। दरअसल, रासायनिक खादों के अत्यधिक उपयोग और सब्सिडी वाले उर्वरकों की जरूरत से ज्यादा खपत, असामान्य स्थिति का संकेत दे रही है। जिसके चलते अधिकारियों को शंका है कि सब्सिडी वाले नीम कोटेड यूरिया को बड़ी मात्रा में खरीदकर प्लाइवुड, राल व खनन विस्फोटक जैसे उद्योगों के लिये ले जाया जा रहा है। जिनके लिये तकनीकी-ग्रेड वाला यूरिया खासा महंगा पड़ता है। आशंका जतायी जा रही है कि इन व्यवसाय में लगे कुछ लोग इस मूल्य अंतर का लाभ उठाकर बड़े पैमाने पर सब्सिडी वाली खाद की हेराफेरी कर रहे हैं। एक अनुमान के अनुसार ये असामाजिक तत्व करीब दस लाख टन यूरिया का दुरुपयोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत छह हजार करोड़ रुपये बतायी जा रही है। इसकी पड़ताल के लिये केंद्र सरकार ने राज्य के अधिकारियों के साथ संयुक्त अभियान आरंभ किया है।

जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही

जीवन के लिये प्रकृति-वन्यजीवों का संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही विश्व वन्यजीव दिवस को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया के लुप्त होते वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जिसकी शुरुआत थाईलैंड द्वारा दुनिया के जंगली जीवों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मनाने के लिए प्रस्तावित किया गया था।। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वन्यजीवों के पारिस्थितिकी, आनुवांशिक, वैज्ञानिक, सौंदर्य सहित विभिन्न प्रकार से अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने को प्रेरित किया। विभिन्न जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अस्तित्व की रक्षा भी इसका उद्देश्य कहा जा सकता है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव-जंतु, प्राकृतिक स्रोत एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं, जिससे पृथ्वी असंतुलित हो रही है। विलुप्त होते जीव-जंतु और वनस्पति की रक्षा के लिये विश्व-समुदाय को जागरूक करने के लिये ही विश्व वन्यजीव दिवस को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य दुनिया के लुप्त होते वन्य जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। जिसकी शुरुआत थाईलैंड द्वारा दुनिया के जंगली जीवों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और मनाने के लिए प्रस्तावित किया गया था।। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वन्यजीवों के पारिस्थितिकी, आनुवांशिक, वैज्ञानिक, सौंदर्य सहित विभिन्न प्रकार से अध्ययन अध्यापन को बढ़ावा देने को प्रेरित किया। विभिन्न जीवों और वनस्पतियों की प्रजातियों के अस्तित्व की रक्षा भी इसका उद्देश्य कहा जा सकता है। साल 2025 की थीम है, "वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश", यह थीम वन्यजीव संरक्षण के लिए नए वित्तीय समाधानों की खोज और उनका आदान-प्रदान करने के लिए बनाई गई है। वन्यजीव प्रजातियों, उनके आवासों, पारिस्थितिकी तंत्रों का निरंतर नुकसान एवं वनों का दोहन पृथ्वी पर मनुष्यों सहित सभी जीवन को खतरे में डाल रहा है। दुनिया भर के लोग अपने जीवन के लिए प्रकृति पर निर्भर हैं। भारत एवं दुनिया में कई वन्य जीव लुप्त होने के कगार पर हैं। शेर, चीता, बाघ, सफ़ेद तेंदुआ, गैंडा, जंगली भैंसा, गंगीय डॉल्फ़िन, लाल पांडा, नीलगिरि लंगूर, कस्तूरी हिरन, संगाई हिरन, बारहसिंघा, कश्मीरी हिरन, जंगली गधा, एक सींग वाला गैंडा, तेंदुआ, अजगर, सियार, जरख, जंगली बिल्ली, भेड़िया, नेवला, सेंड ग्राउज़ झाऊ चूहा एवं गौरया आदि अनेक वन्यजीव प्रजातियां लुप्त हो रही है। कम मांस खाने और लुप्तप्राय जानवरों, जैसे हाथीदांत से निर्मित वस्तुओं से परहेज आदि वन्यजीवों को बचाने की मुहिम में कारगर है। यह दिवस महत्वपूर्ण रूप से लुप्तप्राय वन्य जीव प्रजातियों के भविष्य को संरक्षित करने, उनकी आदतों और पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्वास में सहायता करने और मानव जाति द्वारा इन जानवरों के सतत उपयोग को प्रोत्साहित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करेगा। आज चिन्तन का विषय न तो रूस-यूक्रेन युद्ध है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा

का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार लुप्त होती वन्य जीव प्रजातियां, विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत, विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे.खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व वन्यजीव दिवस का ध्येय है। हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पृथ्वी, उसके पर्यावरण, प्रकृति और वन्य जीवों के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं। लुप्तप्राय जंगली जानवरों और पौधों के संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सूखे, नए रेगिस्तान, आग और बाढ़ की रोकथाम के लिए वन्यजीवों का संरक्षण आवश्यक है। जंगली जानवरों और पौधों का यह संरक्षण सुनिश्चित करता है कि मनुष्यों और वन्यजीवों की आने वाली पीढ़ियाँ प्रकृति से घिरी रहेंगी, तभी पृथ्वी का जीवन संभव होगा। जरूरत है हम वन्यजीवों एवं प्रकृति से प्यार करे और वन्यजीवों के महत्व को समझें। भविष्य की आशा मानवीय कब्जे एवं दोहनके प्रभाव को रोकने में है - इसके लिए पहले ही बहुत देर हो चुकी है, बल्कि उस प्रभाव की सीमा के बारे में बेहतर समझ बनाने और उसके शासन के लिए एक नई नैतिकता बनाने में है। तभी मानव जीवन एवं वन्य जीवों की अन्योन्याश्रयता को देख पाएंगे, तभी प्रकृति को क्षमाशील, उदार और लचीला पाएंगे। तभी हम प्रकृति दोहन को मात दे सकेंगे तथा उसकी मिठास का स्वाद लेने और उसकी वरिष्ठता का सम्मान करने की पात्रता प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिये यह दिवस वन्यजीवों और वनस्पतियों के विविध रूपों का जश्न मनाने और उनके संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने का दिन है। यह वन्यजीव अपराधों के खिलाफ़ लड़ाई को तेज करने का आह्वान करता है। पृथ्वी पर प्रजातियों का विलुप्त होना स्वाभाविक रूप से होता है, लेकिन मनुष्यों की भागीदारी विलुप्त होने की दर को तेज करती है। विलुप्त होने के कुछ कारणों में निवास स्थान का नुकसान, जलवायु परिवर्तन, आक्रामक प्रजातियाँ, अत्यधिक मछली पकड़ना और शिकार शामिल हैं। वन्यजीव संरक्षण पर्यावरण में पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है और प्रजातियों को और अधिक विलुप्त होने से भी रोकता है, जो हमें हरित समृद्धि से समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। वन्य जीव एवं पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक अभियान जरूरी है। वन्य जीवों के प्रति उपेक्षा एवं लापरवाही ने न केवल इंसानों के जीवन को खतरे में डाला है बल्कि पृथ्वी, प्रकृति एवं पर्यावरण पर भी घातक असर डाला है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मनुष्य प्रकृति एवं वन्यजीवों के साथ अनेक वर्षों से छेड़छाड़ कर रहा हैं, इसे देखने के लिए हमें ज्यादा दूर जाने की जरूरत नहीं है। धरती पर बढ़ रही बंजर भूमि, फैलते रेगिस्तान, जंगलों का विनाश, लुप्त होते पेड़-पौधे और जीव जंतु, दूषित होता पानी, शहरों में प्रदूषित हवा और हर साल बढ़ते बाढ़ एवं सूखा, ग्लोबल वार्मिंग, वैश्विक तापमान वृद्धि, ग्लेशियर पिघलना, ओजोन का क्षतिग्रस्त होना आदि इस बात का सबूत हैं कि, हम वन्यजीवों, धरती और पर्यावरण की सही तरीकें से देखभाल नहीं कर रहें हैं। जिससे ग्लोबल वार्मिग एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तिव ही समाप्त हो जाएगा। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्जा देते हैं उसे हम खुद अपने ही हाथों दूषित एवं प्रताड़ति करने में कैसे लगे रहते हैं? अगर वन्यजीवों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी, वन्यजीवों और प्रकृति का निर्माण होता है। इनके बिना जीवन अधूरा है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है।

दृष्टि कोण

सद्भाव व मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महोत्सव

कुंभ को लेकर विपक्ष की जो भूमिका रही, उस पर आश्चर्य होता है। आप भाजपा सरकार का विरोध कर सकते हैं, उसकी आलोचना कर सकते हैं, मगर जो लोग इतनी लम्बी-लम्बी यात्राओं के बाद प्रयागराज आए, उनकी आलोचना करने और मजाक उड़ाने का क्या अर्थ है। किसी की भावनाओं को अपने-अपने राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। क्या उन लोगों के वोट विपक्ष को नहीं चाहिए। देश के दूर-दराज के इलाकों से ही नहीं, विदेशों से भी बहुत से लोग आए। एक से एक बड़े लोग आए। बड़े-बड़े नेता आए। उद्योगपति आए। अम्बानी सपरिवार आए। अडानी ने तो वहां बड़े स्तर पर खाने-पीने का प्रबंध किया। कैटरीना कैफ, रवीना टंडन, विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, मिलिंद सोमन, राजकुमार राव, अक्षय कुमार जैसे अनेक अभिनेता, अभिनेत्रियां भी आए। क्या ये सब मजाक उड़ाने लायक हैं। और क्यों। आप कौन होते हैं किसी का मजाक उड़ाने वाले। किसने ये अधिकार दिया। इतनी संवेदनहीनता की तो उम्मीद नहीं की जा सकती। सच तो ये है कि जब आप किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो अपना मजाक उड़वाने की तैयारी कर रहे होते हैं। कई परिचित कुंभ में गए थे। बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली एक लड़की भी गई थी। बाकी जहां रहती हूं, वहां से भी बहुत से लोग गए थे। सभी ने एक सुर में कहा कि वहां इंतजाम बहुत अच्छे थे। कोई बीमार पड़ा तो उसे तत्काल इलाज की सुविधा मिली। खास तौर से पुलिस की भूमिका बेहद सराहनीय थी। उसी लड़की ने कहा कि वह जिनके साथ गई थी, उनसे बिछुड़ गई। घबराहट में रोने लगी। तभी एक पुलिस वाला उसके पास आया। सारी बात जानकर उसने कहा- रोओ मत। अभी मैं तुम्हें मिलवाता हूं। फिर उसने लड़की से उन लोगों के नम्बर लिए जिन्हें लड़की मिला रही थी और मिल नहीं रहे थे। उसने काफी प्रयास के बाद उन लोगों से सम्पर्क साधा और लड़की को मिलवाया। इसी तरह गुड़गांव की एक महिला को पुलिस ने रोते देखा। पूछने पर पता चला कि वह गुड़गांव से आई है, साथ वालों से बिछड़ गई है। उसे पता नहीं कि अकेली कैसे लौटना है। पुलिस ने उसे ढांढस बंधाया। कहा कि अगर उसके साथ के लोग नहीं मिले, तो वे उसे गुड़गांव तक छोड़कर आएंगे। कुंभ के समापन के दिन पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीस हजार बिछड़े लोगों को मिलवाया गया। तीस हजार कोई मामूली संख्या नहीं है। पुलिस के अच्छे कामों की शायद ही कभी सराहना की जाती है। बल्कि बुद्धिजीवी वर्ग अक्सर बाल की खाल निकालने को तत्पर रहते हैं। क्योंकि किसी की तारीफ करने के मुकाबले आलोचना करना बड़ा आसान है। इतनी बड़ी भीड़ का प्रबंधन कैसे किया गया होगा। सरकार और ब्यूरोक्रेसी ने अपने को झोंक दिया होगा। कुंभ के बाद न जाने कितने दिन इन लोगों को अपनी थकान उतारने में लगेंगे। पर इनकी चिंता भला किसी को क्यों हो। लेकिन हम इन सब बातों को याद नहीं रखेंगे। सिवाय तरह-तरह से आलोचना करने के। यह बात अलग है कि जब हमारे घर में शादी-ब्याह होता है, तो हम मात्र सौ-पचास लोगों का इंतजाम करने में सारी ताकत झोंक देते हैं। सिर के बल खड़े हो जाते हैं, फिर भी आने वाले खुश नहीं होते। यही हाल किसी सभा-सेमिनार का होता है। तो हम तो सौ-पचास का इंतजाम करने में घबरा जाते हैं, मगर आलोचक बनते वक्त परम निंदक बन जाते हैं। प्रयागराज में कुंभ के दौरान जो हादसा हुआ, लोगों की जान गई, या कि नई दिल्ली स्टेशन की भगदड़ में लोगों की जान गई वह बहुत दर्दनाक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी परिवार के लिए अपने परिजन की जो कीमत होती है, वह वही जानता है। लेकिन इसमें कुंभ का क्या दोष। वहां आने वाले श्रद्धालुओं को क्यों हम अपने चश्मे से देख रहे हैं। या वे इस देश के नागरिक नहीं। फिर उन्हें यहां आने के लिए शायद ही किसी तरह की सरकारी सहायता दी गई है। जिस से जो साधन बना, वह उसके जरिए यहां पहुंचा। हमें उनकी हिम्मत की दाद देनी चाहिए। इसके अलावा जो लोग नहीं गए, वे भी किसी आक्षेप के दोषी नहीं हैं, न ही मजाक उड़ाने लायक हैं। अपनी मर्जी है, जो जाना चाहे वह जाए, जो नहीं जाना चाहता उस पर कोई जबर्दस्ती नहीं। एक धर्मिक नेता ने कहा कि जो लोग कुंभ नहीं आ रहे हैं, वे देश से प्रेम नहीं करते। यह बात भी गलत है। ऐसी खबरें आईं कि प्रयागराज में बहुत से मुसलमानों ने लोगों की भरपूर सहायता की। मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए गए। मुसलमानों द्वारा संचालित स्कूलों, कालेजों में भी लोगों के खाने-पीने, रहने आदि की व्यवस्था की गई। यह बात काबिले तारीफ है। और यही अपने देश की विशेषता भी है।

कुछ अलग

आईएमएफ का अनुमान

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानि आईएमएफ का अनुमान है कि भारत मजबूत निजी निवेश और व्यापक आर्थिक स्थिरता के दम पर 2025- 26 में 6.5 प्रातिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर्ज करके सबसे तेजी से बढ़ती प्रामुख अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगा। आईएमएफ के इस अनुमान से मिलता जुलता भारत सरकार का भी आंकलन है जो उसने बजट 2025-26 से एक दिन पहले जारी अपने आर्थिक सव्रेक्षण में स्पष्ट कर दिया था। आर्थिक सव्रेक्षण में 6.4 प्रातिशत जीडीपी रहने का अनुमान लगाया गया है जो दशकीय औसत के करीब है। सव्रेक्षण में यह अनुमान लगाया गया है कि वित्त वर्ष 2026 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.3 से 6.8 प्रातिशत के बीच रहेगी। यही नहीं आईएमएफ ने निजी निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए संरचनात्मक सुधारों के गहन कार्यान्वयन की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। आर्थिक सव्रेक्षण में भी यही कहा गया है कि औपचारिक क्षेत्र में नौकरियों की संख्या में वृद्धि हुईं, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानि ईंपीएफओ का शुद्ध वेतन अधिग्राहण 2019 में 61 लाख से दो गुना होकर वित्त वर्ष 2024 में 131 लाख हो गया। वास्तविकता तो यह है कि निजी निवेश और एफडीआईं यानि प्रात्यक्ष विदेश निवेश को बढ़ावा देकर ही जीडीपी में वृद्धि की जा सकती है। किन्तु इसके लिए स्थिर नीतिगत ढांचे, व्यापार करने में अधिक आसानी, शासन सुधार और व्यापार एकीकरण वृद्धि की आवश्यकता होगी। भारत सरकार और हमारे निजी क्षेत्र की सामूहिक कोशिश यही है कि हमारी अर्थव्यवस्था का आकार जल्दी से जल्दी 5 ट्रिलियन तक पहुंच जाना चाहिए। यह सच है कि डॉ. मनमोहन सिह और नरसिम्हाराव ने मिलकर 1991 में आर्थिक सुधारों के नाम पर अर्थव्यवस्था को वामपंथी दल-दल से निकाल कर ठोस जमीन पर लाकर खड़ा जरूर किया किन्तु दशकों तक संयुक्त अर्थव्यवस्था के अच्छे से बहाने के पीछे सार्वजनिक सेक्टर को ही बचाने में लगे रहे क्योंकि हमारी मानसिकता ही दोहरेपन की है। हमने 1991 में भले ही आर्थिक सुधारों को अपना लिया किन्तु सच तो यही है कि भारत आर्थिक नीति में कम्युनिस्टों से भी दस कदम आगे चल रहा था जबकि वास्तविक वामपंथी देश चीन ने हकीकत समझकर ही 1971 में पूंजीवादी व्यवस्था को अपना लिया था। यही कारण है कि जब भारत गठबंधन की राजनीति में उलझा हुआ था, चीन ने उसी वक्त पूंजीवाद का ऐसा चोला अपनाया कि यूरोपीय देश जो पहले से ही पूंजीवादी अर्थव्यवस्था अपनाए बैठे थे वे भी पीछे छूट गए। भारत चीन से तभी पिछड़ता चला गया। यह सच है कि जन कल्याण की भावना से वामपंथी अर्थशास्त्र का जो ढिढोरा पीटा गया उससे न तो लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया और न ही लोगों की जेब में पैसे आए। पूंजी निर्माण के क्षेत्र में उदासीनता की स्थिति बनी रही। असल में भारत ने कभी भी खुलकर खुली अर्थव्यवस्था और बाजारवाद का समर्थन किया ही नहीं कारण कि हमारी तो दशकों की आदर्श वामपंथी अर्थव्यवस्था थी। दशकों से हमने पूंजीवाद को सारी मुसीबतों की जननी बताकर नुक्कड़ नाटक खेले और देखे थे। हमने पूंजीवाद के खिलाफ माहौल तैयार करने के लिए वामपंथी और समाजवादी डफली की तान का आनन्द लिया। यही नहीं हमने मुफ्त में वामपंथी दुष्प्राचार के लिए प्राकाशित होने वाली पत्रिकाओं और बड़े-बड़े अखबारों के वामपंथियों के लेख पढ़कर यह धारण स्थाईं भाव के रूप में बना ली कि अर्थव्यवस्था का सही रास्ता वामपंथ और समाजवादी है।

देश दुनीया से

यूक्रेन के दुर्लभ खनिज पर अमेरिकी गिद्ध दृष्टि

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, कि अमेरिका और यूक्रेन ने महत्वपूर्ण खनिजों के सौदे के मसौदे पर सहमति जताई है, जिसकी कीमत लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर हो सकती है। यह सौदा यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की द्वारा पहले के मसौदे को अस्वीकार करने के एक सप्ताह बाद हुआ है। ट्रम्प ने मंगलवार को ओवल ऑफिस में संवाददाताओं से कहा कि ज़ेलेंस्की शुक्रवार को वाशिंगटन आकर एक 'बहुत बड़ी डील' पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं। बुधवार शाम को, ज़ेलेंस्की ने कहा कि यह अमेरिका के साथ सहयोग के लिए एक आर्थिक ढांचा है, जिसमें अभी तक कोई अमेरिकी सुरक्षा गारंटी शामिल नहीं है। पिछले हफ़्ते ज़ेलेंस्की ने एक पुराने ड्राफ्ट को अस्वीकार कर दिया था, क्योंकि इसमें यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के बारे में विवरण नहीं था। ट्रंप अब भी बदले नहीं हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को कहा, 'मैं बहुत ज़्यादा सुरक्षा गारंटी नहीं देने जा रहा हूं। हम यूरोप से ऐसा करवाने जा रहे हैं।' नोक-झोंक में ट्रम्प ने ज़ेलेंस्की को 'तानाशाह' तक कह डाला था। सोमवार को, ज़ेलेंस्की ने कहा था कि मैं शांति के लिए इस्तीफ़ा देने के लिए तैयार हूं। ज़ेलेंस्की ने मांग की, कि यूक्रेन को अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता दी जानी चाहिए। लेकिन, वाशिंगटन ने नाटो का सदस्य बनने की मांग को 'अवास्तविक' करार दिया है। अमेरिका की गिद्ध दृष्टि यूक्रेन की दुर्लभ खनिज संपदा पर है। दुर्लभ मृदा खनिज वैश्विक स्तर पर पृथ्वी के गर्भ में पाए जाने वाले 17 भारी धातुओं का एक समूह है। नियोडिमियम, लैंथेनम, सेरियम, प्रेजोडियम, यिट्रियम, टेरबियम और यूरोपियम जैसे कुछ दुर्लभ मृदा तत्वों का उपयोग कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, टेलीविज़न, मोबाइल स्क्रीन और कैमरा लेंस जैसे उच्च तकनीक वाले उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। वर्तमान में, ऐसे दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक चीन है, जो दुनिया की आपूर्ति का कम से कम 60 प्रतिशत निकालता है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, 2024 में अमेरिका अपनी 80 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों की जरूरतों के लिए चीन, मलेशिया, जापान और एस्टोनिया पर निर्भर था। कीव के साथ दुर्लभ खनिजों का सौदा करने के पीछे की मंशा, अमेरिका को बड़ी तकनीक का अधिकेंद्र बनाना है। अपने अभियान के दौरान, ट्रम्प ने एक अन्य करीबी सहयोगी ताइवान पर अमेरिका के चिप व्यवसाय को चुराने का भी आरोप लगाया था। टैरिफ की धमकियों के बीच, ताइवान ने अमेरिका में निवेश बढ़ाने का वादा किया। इस महीने की शुरुआत में, ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में संवाददाताओं से कहा था, कि हम यूक्रेन को वाशिंगटन द्वारा भेजे गए लगभग 375.8 बिलियन डॉलर की वापसी चाहते हैं। कीव को भेजी गई सहायता के बारे में ट्रम्प के अनुमान अमेरिकी सरकार के आंकड़ों के विपरीत हैं। 'यूक्रेन ओवरसाइट' के अनुसार, 30 सितंबर, 2024 तक अमेरिका ने यूक्रेन की सहायता के लिए कुल 183 बिलियन डॉलर भेजे थे, जो यूक्रेन को भेजी गई सहायता को रिकॉर्ड करने के लिए अमेरिकी सरकार द्वारा बनाई गई एक वेबसाइट है। जिस स्टाइल में ट्रंप यह सब कर रहे हैं, उसका दुनिया भर में विरोध होना शुरू हो गया है। 'सेंटर फॉर यूरोप एशिया स्टडीज' की निदेशक और 'शिकागो काउंसिल ऑन ग्लोबल अफेयर्स' की सीनियर फेलो थेरेसा फॉलन ने कहा, 'ऐसा लगता है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा करके अंतर्राष्ट्रीय नीति के सभी मानदंडों को तोड़ दिया है, और वह इतना लेन-देन करके अमेरिका की बहुत सी सॉफ्ट पावर खो रहे हैं।' फॉलन ने फिर कहा, 'लेन-देन करना ठीक है, लेकिन यह तो जबरन वसूली है।' यूक्रेन के पास 34 पदार्थों में से 22 मिनरल्स हैं जिन्हें यूरोपीय संघ 'महत्वपूर्ण कच्चे माल' के रूप में परिभाषित करता है। दुनियाभर में 110 मिलियन टन दुर्लभ खनिज हैं। इसमें से 44 मिलियन टन चीन में हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके अलावा ब्राजील में 22 मिलियन टन, वियतनाम में 21 मिलियन टन, रूस में 10 मिलियन टन, और भारत में 7 मिलियन टन दुर्लभ खनिज का अनुमान है। कोई सुरक्षा गारंटी नहीं, फिर भी जेलेंस्की अमेरिका के साथ समझौते पर हस्ताक्षर कर रहे हैं, क्या यह किसी क़िस्म का ब्लैकमेल है? मॉस्को ने यूक्रेन के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर रखा है, जिसमें क्रीमिया भी शामिल है, जिसे उसने 2014 में अपने साथ मिला लिया। ठीक से देखा जाये, तो यूरोप के नेता इस ज़बरदस्ती के सौदे वाले सवाल पर बंटे हुए हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुर्लभ खनिज सौदे का समर्थन किया है। यूरोजोन की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जर्मनी, दुर्लभ खनिज सौदे का विरोध कर रहा है। निवर्तमान जर्मन चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने दुर्लभ खनिज सौदे के लिए ट्रंप के प्रयास की आलोचना करते हुए, इसे 'बहुत अहंकारी' और 'बहुत आत्मकेंद्रित' बताया। ओलाफ शॉल्त्स ने तर्क दिया है कि यूक्रेन को युद्ध के कारण हुए विनाश से उबरने के लिए अपने प्राकृतिक संसाधनों की आवश्यकता है। विगत रविवार को जर्मनी के चुनाव में जीत हासिल करने वाले क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) के नेता फ्रीडरिष मैर्त्स ने भी ज़ेलेंस्की पर ट्रंप के हमलों की निंदा की है। लेकिन, ट्रम्प यूरोपीय नेताओं द्वारा निंदा की परवाह नहीं करते। उन्होंने कहा, 'पिछले प्रशासन ने हमें बहुत खराब स्थिति में डाल दिया था, लेकिन हम एक ऐसा सौदा करने में सक्षम हैं, जिसके तहत हमें पैसा वापस मिलेगा, और भविष्य में बहुत सारा पैसा मिलेगा।' रूस को इस सौदे से कोई आपत्ति नहीं है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा, कि अमेरिका और रूसी अधिकारी गुरुवार को इस्तांबुल में मिलेंगे। लेकिन ये लोग दिल्ली में क्यों नहीं मिलते? पीएम मोदी ने कितनी मेहनत की थी!

आप का नजरीया

कामयाबी का जनोत्सव

सरकारी आंकड़ों पर विश्वास करें तो इस महाकुंभ में 66 करोड़ से अधिक तीर्थयात्रियों ने गंगा-यमुना व अदृश्य सरस्वती के संगम पर महाकुंभ के दौरान डुबकी लगायी। एक भगदड़ की घटना में कुछ श्रद्धालुओं का असमय काल-कवलित होना दुखद ही था। कुछ अग्निकांड भी हुए। लेकिन यदि बात करोड़ों श्रद्धालुओं के संगम में स्नान व उनके आने-जाने व रहने की व्यवस्था की हो तो योगी सरकार अपनी पीठ थपथपा सकती है। रूस-अमेरिका जैसी महाशक्तियों की आबादी से अधिक जनसंख्या का प्रबंधन निश्चय ही एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे दौर में जब उपभोक्ता संस्कृति सिर चढ़कर बोल रही है, तब सनातन संस्कृति का ऐसा उफान चौंकाता है। जिसमें लोग तमाम कष्ट सहकर संगम में डुबकी लगाने को आतुर दिखे। त्याग-संयम से परिचित कराना कुंभ संस्कृति का उद्देश्य भी रहा है। इस तरह हमने अपने पुरखों की गौरवशाली विरासत का सम्मान किया। जिसमें सदियों से करोड़ों लोग बिना चिट्ठी-पत्री के स्वतःस्फूर्त भाव से कुंभ के मेले में जुटते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसी क्या खासियत है? महाकुंभ जैसे इतने बड़े आयोजन कैसे सफलतापूर्वक होते हैं? यह देखने पूरी दुनिया के जिज्ञासु, विभिन्न धर्मों के अनुयायी, फोटोग्राफर और पत्रकार सदियों से महाकुंभ में जुटते रहे हैं। महाकुंभ के सफल आयोजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाकुंभ ने पूरी दुनिया को युग-परिवर्तन की आहट और विशाल आयोजन की क्षमता से रूबरू कराया है। महत्वपूर्ण यह है कि तीर्थयात्रियों ने जिस तरह दिल खोल कर खर्च किया, वो निश्चय ही उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का तारणहार बनेगा। बताते हैं कि इससे प्रदेश की जीडीपी में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। जो देश की तमाम देशी-विदेशी इनवेस्ट समिटों से कहीं ज्यादा ठोस आय का स्रोत बना है। कई गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड इस महाकुंभ के नाम हुए। वीरवार को तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रमाणपत्र मुख्यमंत्री योगी को सौंपे गए। विपक्ष, खासकर सपा व कांग्रेस कुंभ आयोजन को लेकर हमलावर रहे हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने महाकुंभ के समापन पर कहा कि ये सरकारी महाकुंभ है। असली कुंभ तो माघ पूर्णिमा को ही संपन्न हो चुका था। इस बार के महाकुंभ को टेक्नोलॉजी के महाकुंभ के रूप में भी याद किया जाएगा। महाकुंभ में विशेष एल्गोरिदम के जरिये इस्तेमाल पांच सौ एआई कैमरे क्राउड डेंसिटी व फैशियल रिकग्निशन के लिये इस्तेमाल किए गए। जिसके जरिये करोड़ों श्रद्धालुओं की गिनती संभव हुई। वहीं बिछुड़ों को परिजनों से मिलाने, आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। निस्संदेह, इतने बड़े जनसैलाब को संभालना किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। लेकिन भविष्य में महाकुंभ के आयोजन के लिये प्रयागराज महाकुंभ के अनुभवों से सबक लेने की जरूरत है। इस बात का वैज्ञानिक अध्ययन होना चाहिए कि भगदड़ को कैसे टाला जाए। आखिर क्यों दो सौ- तीन सौ किलोमीटर के जाम लगते रहे हैं। कैसे ट्रेनों का संचालन बिना किसी व्यवधान के किया जाए। हालांकि, 16 नई ट्रेनें चलाने की बात कही गई, लेकिन तमाम स्टेशनों पर ट्रेन में चढ़ने के लिये मारामारी होती रही है।

बजट पर नसीहत देने के बजाए 15 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब दें तेजस्वी : उमेश सिंह

पटना (हिंस)। बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने तेजस्वी यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्ष 2005 में बिहार का बजट महज 23 हजार करोड़ रुपए का था किंतु आज वही बजट का आकार करीब 3 लाख करोड़ रुपए का हो चुका है। प्रदेश अध्यक्ष ने आज यहां कहा कि बजट पर नसीहत देने के बजाए तेजस्वी यादव को अपने माता-पिता के 15 वर्षों के कार्यकाल का हिसाब जनता को देना चाहिए। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद ने सत्ता में रहते हुए केवल सरकारी खजाने पर डाका डालने का काम किया। बिहार को आर्थिक रूप से पीछे धकेलने और कमजोर करने में राजद की सबसे बड़ी भूमिका रही है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार बेटियों के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई के लिए विभिन्न चरणों में 94 हजार रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि देती

है। साथ ही उद्योग स्थापित करने के लिए महिलाओं को 10 लाख लोन मिलता है, जिसमें 5 लाख माफ और बाकी 5 लाख रुपए पर कोई ब्याज नहीं है लेकिन तेजस्वी यादव महज 2,500 रुपए का झूठा झांसा देकर महिलाओं को बरगलाने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 तक बिहार में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या महज 17 लाख थी, जो आज बढ़कर 2 करोड़ 7 लाख से अधिक हो गई है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत भी 70 यूनिट से बढ़कर अब 360 यूनिट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं की संख्या में यह रिकॉर्ड वृद्धि हमारे नेता नीतीश कुमार की दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। 15 वर्षों के शासनकाल में राजद ने कभी गरीबों के घर तक बिजली पहुंचाने का कोई ठोस प्रयास नहीं किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हमारा बिहार विकास की नई और ऊंची उड़ान भर रहा है। सात निश्चय भाग 1 और 2 के माध्यम से नीतीश कुमार ने बिहार की सूरत बदली है। सड़क, शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। 19 वर्षों के शासनकाल में हमारे नेता ने हर-घर तक पीने का शुद्ध पानी पहुंचाया, हरेक गांव में नली-गली और हरेक घर में शौचालय का निर्माण कराया है।

बड़े मार्जिन से जीतेंगे सभी निकाय चुनाव : राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम (हिंस)। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने रविवार को निकाय चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम के अंतर्गत गांव फाजिलपुर झाड़सा में राजकीय प्राथमिक विद्यालय के बूथ नंबर 364 में मतदान किया। कैबिनेट मंत्री ने मतदान केंद्र में कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार किया और निर्वाचन अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए अपने मताधिकार का प्रयोग किया। राव नरबीर सिंह ने मतदान के उपरांत मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। प्रदेश की समृद्धि और विकास के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश की जनता ने जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी की नीतियों व धरातल पर उनके क्रियान्वयन में विश्वास जताया है। उसे देखते हुए यह कह सकते हैं कि 12 मार्च को जब जनता जनार्दन का फैसला आएगा। उसमें पूरे प्रदेश में पुन: एक बार कमल खिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में गुरुग्राम सहित पूरे प्रदेश में विकास कार्यों ने जो रफ्तार पकड़ी है। उससे यह तय हो गया है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी सभी निकाय क्षेत्रों में बड़े मार्जिन से जीत दर्ज करेगी।

आगरा सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री योगी ने जताया दुख

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद आगरा में हुए सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही घायलों के समुचित इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की है। आगरा में थाना कागारौल इलाके के गहर्रा की प्याऊ के पास दो मोटर साइकिलों की आमने सामने टक्कर हो गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। एक व्यक्ति घायल हुआ है। प्रभारी निरीक्षक (अपराध) राजवीर सिंह ने रविवार को बताया कि घटना शनिवार की देर रात की है। हादसे में पहली मोटर साइकिल पर सवार भगवान दास (35), वकील (35), रामस्वरूप (28), सोनू दुर्घटना के शिकार हुए हैं। इन सभी की पहचान कर ली गई हैं, जो सैया इलाके के रहने वाले हैं। शनिवार की रात को एक शादी समारोह से वापस लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। जबकि बुलेट चला रहा 17 वर्षीय करन घायल हो गया और उसके साथ मौजूद एक युवक की मौत हो गई। दुर्घटना में कुल पांच लोगों की मौत हुई है। घायल का इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना की जानकारी परिवार को देते हुए शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विपक्ष को सकारात्मक राजनीति करनी चाहिए : मंत्री विश्नोई

बाड़मेर (हिंस)। मंत्री के.के. विश्नोई ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और बजट जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रदेश की जनता की भलाई के लिए चर्चा करनी चाहिए, न कि अनावश्यक हंगामा करना चाहिए। मंत्री विश्नोई ने विधानसभा में अमर्यादित भाषा के उपयोग पर विपक्ष को नसीहत देते हुए कहा कि सार्वजनिक मंच पर भाषा की गरिमा बनाए रखना आवश्यक है। रविवार को वे महादेव गुरुकुल प्रबंध समिति, बा ?मेर द्वारा महावीर टाउन हॉल में आयोजित घुमंतू हॉस्टल के वार्षिकोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पिछली सरकार को युवाओं और गरीबों की चिंता करनी चाहिए थी, लेकिन उन्होंने केवल राजनीतिक लाभ उठाने पर ध्यान दिया। घुमंतू समाज को उनके अधिकारों से वंचित रखने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों की जिम्मेदारी बनती थी कि वे इन मुद्दों पर गंभीरता से कार्य करें।

मुख्यमंत्री और भारतीय मजदूर संघ की बैठक में कई मांगों पर बनी सहमति

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ भारतीय मजदूर संघ के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की बैठक में एक दर्जन समस्याओं के समाधान तथा मांगों को मानने पर सहमति बनी है। इनमें चीनी मिलों में काम करने वाले 1200 कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के तहत 19 माह का बकाया एरियर देना भी शामिल है। रविवार को हुई इस बैठक में भारतीय मजदूर संघ की ओर से क्षेत्रीय संगठन मंत्री पवन कुमार, प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार, प्रदेश महामंत्री हवा सिंह मैहला, उपाध्यक्ष नरेश कुमार बालू, छोटा देवी, प्रदेश मंत्री देवीलाल गुराना, हवा सिंह तंवर और सुनील ढिल्लो शामिल हुए, जबकि राज्य सरकार की ओर से मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सीएम के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, प्रधान सचिव अरुण गुप्ता और सभी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री सैनी की मौजूदगी में ढाई घंटे की चर्चा के दौरान करीब छह हजार ग्रामीण ट्यूबवेल आपरेटरों का बकाया वेतन जारी करने, उन सभी को कौशल रोजगार निगम में पोर्ट करने और उनका ईपीएफ कतथा ईएसआई कटने का पत्र जारी करने पर सहमति बनी है। बैठक में राज्य की चीनी मिलों में काम करने वाले करीब 1200 कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों का 19 माह का बकाया एरियर देने पर भी सहमति बनी है। यह राशि करीब 24 करोड़ रुपए है। इसके अलावा पैक्स कर्मचारियों को 10 प्रतिशत केंद्रीय सहकारी बैंक में पदोन्नति का लाभ देने संबंधी पत्र जल्दी जारी करने का भरोसा अधिकारियों ने दिया। खेदड़ और यमुनानगर में बिजली कर्मचारियों की हड़ताल के दौरान जिन 1100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया था, उन्हें सरकार वापस ले चुकी है, लेकिन 22 कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्हें वापस नहीं लिया गया था। भारतीय मजदूर संघ की ओर से इन सभी कर्मचारियों को वापस नौकरी पर लेने के लिए लिस्ट अधिकारियों को सौंप दी गई है। सभी को सोमवार को ज्वाइनिंग कराने पर सहमति वार्ता के दौरान बन चुकी है। हरियाणा सरकार राज्य के सभी बोर्ड एवं निगमों तथा विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों को उनकी बोनस की बकाया राशि भी का भुगतान करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को भारतीय मजदूर संघ के नेताओं ने बताया कि जिन कर्मचारियों का वेतन 21 हजार रुपए मासिक से कम है, उन सभी को बोनस देने का प्रावधान है, जोकि हरियाणा में लंबे समय से नहीं दिया जा रहा है। ऐसे कर्मचारियों की संख्या एक लाख के आसपास बताई जा रही है। सरकार यदि चाहे तो कम से कम तीन साल का बोनस इन कर्मचारियों को दे सकती है। मुख्यमंत्री ने भारतीय मजदूर संघ की इस मांग का परीक्षण कराने का भरोसा दिया है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो की टक्कर से चार की मौत

बीकानेर (हिंस)। बीकानेर के नाल थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क हादसे में चार युवकों की जान चली गई। घटना शनिवार देर रात राष्ट्रीय राजमार्ग (जैसलमेर रोड) पर हुई, जब एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे युवक ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, सभी युवक एक शादी समारोह में काम करके लौट रहे थे। देर रात करीब 2 बजे वे नाल बड़ी गांव की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से आई स्कॉर्पियो ने उनकी बाइकों को जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे की तीव्रता इतनी अधिक थी कि स्कॉर्पियो के अगले पहिए तक निकल गए और दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए। नाल थाना प्रभारी विकास विश्नोई ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरुराम, कोजूराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजू राम और गोर्धन (30) पुत्र चोरुराम के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं और स्कॉर्पियो चालक की तलाश की जा रही है, जो घटना के बाद फरार हो गया।

हिसार : काजला खाप ने किया अंतरजातीय विवाह का समर्थन

हिसार (हिंस)। राष्ट्रीय काजला खाप ने जाति-पाति के कलंक को मिटाने के लिए अंतरजातीय विवाह का समर्थन किया है। इसके साथ ही खाप ने समगोत्र, समगांव व गोहांड में विवाह का जोरदार विरोध करते हुए सरकार से हिंदू मैरिज एक्ट 1955 में संशोधन करके ऐसी शादियों को प्रतिबंधित करने की मांग की है। यह निर्णय रविवार को कुरुक्षेत्र में आयोजित खाप 12वें राष्ट्रीय सम्मेलन में लिया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन रामपाल काजला ने की। सम्मेलन में खाप के राष्ट्रीय संरक्षक धर्मवीर काजला ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की। मंच संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता महेंद्र सिंह काजला ने

किया। सम्मेलन का आयोजन खाप के हरियाणा प्रदेशाध्यक्ष राजबीर काजला की देखरेख में किया गया। सम्मेलन में नशाखोरी, दहेज, महिला उत्पीड़न व हर्ष फायरिंग जैसी सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया और इसके लिए पदाधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई। सम्मेलन में सर्वसम्मति से विवाह दिन में करने, बारात छोटी रखने व जन्मदिवस जैसे अन्य दिवस सादगी से मनाने तथा बच्चों की शिक्षा पर अधिक ध्यान देने के निर्णय भी लिए गए। राष्ट्रीय भावना व देश प्रेम बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों जैसे रक्तदान व मृत्यु उपरांत अंगदान करने का आह्वान भी किया गया। सम्मेलन में खाप का चबूतरा व भवन निर्माण के लिए उचित स्थान व भूमि की तलाश के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष व राष्ट्रीय संरक्षक को अधिकृत किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष कैप्टन रामपाल काजला व राष्ट्रीय संरक्षक धर्मवीर काजला ने कहा कि खाप को मॉडल खाप बनाने के लिए सामाजिक बुराइयों से दूर रहें। सामाजिक सरोकारों में भाग लें, अनुशासन में रहते हुए एकता बनाए रखें व खाप के निर्णयों पर अमल करें। सम्मेलन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजयपाल, प्रवक्ता महेंद्र सिंह, मान सिंह काजला, मांगेराम काजला, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष प्रमेंद्र, दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण काजला, यूपी के श्यामवीर काजला, हरियाणा के राजबीर काजला, रतन सिंह काजला, सतपाल काजला, सतविंदर सिंह, कमल काजल सरपंच व जगतार सिंह चार प्रदेशों के सैकड़ों काजला बंधु उपस्थित रहे।

संविधान की रक्षा के लिए पानी में खड़े होकर सपा ने किया प्रदर्शन

मीरजापुर (हिंस)। जमालपुर क्षेत्र के महादेवपुर गांव में रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने संविधान को बचाने के लिए एक अनूठा विरोध-प्रदर्शन किया। सपा के चुनार विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ गांव स्थित अमृत सरोवर के जल में खड़े होकर जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने जल में खड़े होकर डॉ. भीमराव आंबेडकर और सपा संस्थापक पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तस्वीरें हाथों में लेकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ने कहा कि सरकार की नीतियों से हर वर्ग परेशान है। महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी की जिंदगी मुश्किल बना दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता इस सरकार को सबक सिखाएगी। प्रदर्शन में ब्लऑक अध्यक्ष दिनेश यादव, सूर्यकांत सिंह पटेल, रमेश सिंह, रामजन सिंह, विजय बियार, उमाशंकर यादव, रफीक अहमद, सद्दाम हुसैन समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए निषाद पार्टी का आनलाइन सदस्यता अभियान

लखनऊ (हिंस)। निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष औ उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर नयी पीढ़ी को जोड़ने के लिए आनलाइन सदस्यता अभियान की शुरुआत हो गई है। निषाद पार्टी की आनलाइन सदस्यता के लिए वेबसाइट लिंक पर क्लिक कराया जा रहा है। निषाद पार्टी के कार्यकर्ता धर्मात्मा की मौत के बाद से पार्टी के पदाधिकारियों का उस मामले से ध्यान हटाने के लिए सदस्यता अभियान में जोड़ दिया गया है। संवैधानिक अधिकार न्याय रथ यात्रा लेकर चल रहे डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देश पर अभी निषाद पार्टी के पदाधिकारी सदस्यता कराने की तैयारी में जुटे हुए हैं। निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय कुमार निषाद के संवैधानिक अधिकार न्याय रथ यात्रा से जुड़े आगे के कार्यक्रम को भी जारी किया गया है।

समाज संघ से जुड़ता है तो संगठित रहता है : कौशल किशोर

हरदोई (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने रविवार को शाखा संगम का आयोजन किया। एक ही प्रांगण में इतनी शाखा एवं उनके अलग-अलग ध्वज सभी उपस्थित लोगों का मन मोह रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वज प्रणाम के साथ हुआ। उसके बाद सभी स्वयंसेवको ने शाखा में होने वाले नियमित कार्यक्रम आसन-व्यायाम, सूर्य नमस्कार, समता, संचलन आदि से समां बांध दिया। इस अवसर पर उपस्थित विभाग प्रचारक कौशल किशोर ने कहा कि सभी शाखाओं का एक स्थान पर संगम एक अद्‌भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। ये एकता, समन्वय और आपसी भाईचारे का परिचायक है। संघ की स्थापना हिंदू समाज को संगठित करने को हुई थी और शाखा के माध्यम से जब हम समाज को अपना अनुशासन और स्व की भावना दिखाते है तो समाज संघ से जुड़ता है और संगठित रहता है। उन्नाव विभाग के विभाग प्रचारक कौशल ने बताया कि यह वर्ष संघ की स्थापना का शताब्दी वर्ष है और और इस वर्ष के निमित्त संघ ने पांच संकल्प लिए हैं, जिन्हें समाज तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। पहला है कुटुंब प्रबोधन जिसमें आजकल के एकल परिवारों को आपस में मिलजुल कर प्रेम से संयुक्त परिवार में रहने का आग्रह करें। दूसरा है पर्यावरण और जल संरक्षण, पर्यावरण क्षरण और प्रदूषण एक वैश्विक चुनौती है जिससे हम सब को मिलजुल कर निपटना

करना है। तीसरा सामाजिक समरसता, हमारा हिंदू समाज जाति व्यवस्था से परे रहकर समरस रहे, चौथा है नागरिक अनुशासन जिससे हम स्वयं अनुशासित हो और समाज में भी नागरिक अनुशासन के प्रति जागरूक करें और पांचवा है स्व की भावना, जिसके अंतर्गत स्वदेश, स्वदेशी की भावना पर बल देना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नगर कार्यवाह विनय पांडेय ने बताया कि शाखा ही ऐसी जगह है जहां व्यक्ति निर्माण के साथ साथ व्यक्तित्व निर्माण भी होता है। स्वयंसेवक का शारीरिक, बौद्धिक और चारित्रिक विकास होता है। नगर में 19 स्थानों पर शाखाएं लगती है जो हर वर्ष एक स्थान पर लगती है जिसको हम शाखा संगम के रूप में मनाते है। शाखा संगम से प्रत्येक शाखा की स्थिति पता लग जाती है कि किन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है, शाखाओं में आपसी मेल मिलाप से सभी में एक सामंजस्य भी बना रहता है। कार्यक्रम में क्षेत्र संघ चालक कृष्ण मोहन, विभाग संघ चालक शिवस्वरूप, विभाग संपर्क प्रमुख राजेश चौहान, नगर संघ चालक मिथिलेश, नगर कार्यवाह विनय पांडेय, सहित सभी शाखाओं के स्वयंसेवक मौजूद रहे।

राजस्थान में मौसम का बदला मिजाज, कई जिलों में ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में 28 फरवरी और 1 मार्च को हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण मौसम का मिजाज अचानक बदल गया है। कई शहरों में तापमान 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरने से ठंडक बढ़ गई है। ओलावृष्टि से प्रदेश के भरतपुर- धौलपुर समेत कई जिलों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न जिला कलेक्टरों से ओलावृष्टि के हालात पर चर्चा की। उन्होंने जिला कलेक्टरों से ओलावृष्टि से हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव को निर्देश दिए कि प्रभावित जिलों में फसल खराबे का आकलन शीघ्रता से करवाने के लिए गिरदावरी करवाई जाए। उन्होंने सीकर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, और खैरथल-तिजारा के जिला कलेक्टरों को निर्देशित किया कि वे गिरदावरी की रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करें। मुख्यमंत्री ने 7डी रिपोर्ट को 5 मार्च तक प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि प्रभावित किसानों को राज्य आपदा राहत कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा राहत कोष (एनडीआरएफ) से तुरंत मुआवजा दिया जा सके।

ओलावृष्टि और बारिश के कारण श्रीगंगानगर, चूरू, कोटपूतली-बहरोड़, बीकानेर, अलवर जैसे कई इलाकों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। शनिवार शाम को भरतपुर और धौलपुर में बारिश के साथ ओले गिरे थे। अलवर में भी रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई, वहीं झुंझुनूं के खेतड़ी और तिजारा के कई इलाकों में हुई ओलावृष्टि से खेतों में सफेद चादर बिछ गई थी। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार राज्य में अगले दो दिन मौसम शुष्क रहेगा और तापमान में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। 5 मार्च से उत्तरी हवा चलने से रात के तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है। चूरू में बीते 24 घंटे में 28.2 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो पिछले 10 वर्षों में फरवरी-मार्च के दौरान एक दिन में दर्ज की गई सबसे अधिक बारिश है। सीकर में भी कुल 6 मिमी बारिश दर्ज की गई। बारिश के कारण शनिवार को अलवर, सीकर, पिलानी (झुंझुनूं), चूरू समेत कई शहरों में दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। रात का तापमान भी 14 से 16 डिग्री सेल्सियस तक आ गया। जयपुर में अधिकतम तापमान 30.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अलवर में दिन का अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 14.8 डिग्री रहा। सीकर में अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री और न्यूनतम 15.5 डिग्री दर्ज किया गया। कोटा में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 18.8 डिग्री रहा। उदयपुर में अधिकतम तापमान 31.9 डिग्री और न्यूनतम 18.6 डिग्री दर्ज किया गया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री और न्यूनतम 20.4 डिग्री दर्ज किया गया। जोधपुर में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री और न्यूनतम 17.6 डिग्री रहा। बीकानेर में अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री और न्यूनतम 17.7 डिग्री दर्ज किया गया। गंगानगर में अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री और न्यूनतम 12.7 डिग्री रहा। धौलपुर में अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री और न्यूनतम 15.8 डिग्री दर्ज किया गया। माउंट आबू में दिन का अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री और न्यूनतम 13.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 4-5 दिनों तक राज्य में मौसम शुष्क रहेगा और आसमान साफ रहेगा।

नवादा के पड़रिया ब्रह्मण परिवार पिटाई कांड में दो पुलिस अधिकारी निलंबित

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के नारदीगंज थाने के पड़रिया ब्राह्मण परिवार पिटाई कांड में रविवार को नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने अपर थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर कमलेश कुमार और एएसआई मुकेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। नवादा के एसपी अभिनव धीमान ने नारदीगंज थाने के अपर थानाध्यक्ष सब इंस्पेक्टर कमलेश कुमार और एएसआई मुकेश कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दोनों अधिकारियों को लाइन हाजिर किया गया है। कमलेश कुमार, जो थानाध्यक्ष प्रभा कुमारी के अवकाश पर होने के कारण थाने का प्रभार संभाल रहे थे, जिनपर पड़रिया कांड को गंभीरता से न लेने का आरोप है। एएसआई मुकेश कुमार पर आरोपी के पक्ष में बयानबाजी करने वाले एक कथित वीडियो के वायरल होने के बाद यह कार्रवाई की गई है। वे इस मामले के जांच अधिकारी थे। नवादा के मुख्यालय डीएसपी इमरान परवेज ने इस कार्रवाई की पुष्टि की है। एसपी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान आश्वासन दिया था कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उनके आश्वासन के दो दिन के भीतर जांच पूरी की गई और 24 घंटे के

अंदर दोनों अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई नवादा पुलिस की छवि को लेकर उठ रहे सवालों के बीच की गई है। एसपी ने स्पष्ट किया है कि कानून सबके लिए बराबर है और सत्य के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। घटना के बाद परिवार के लोग लगातार पुलिस पर सवाल उठा रहे थे, लेकिन एसपी के आश्वासन के बाद उन्होंने पुलिस पर भरोसा एक समान है। एसपी ने कहा है कि जो भी इस मामले में दोषी हैं उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जीएसटी कलेक्शन फरवरी में बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली

भारत का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) कलेक्शन फरवरी में सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत बढ़कर 1.84 लाख करोड़ रुपये हो गया है। हाल ही में जारी हुए सरकारी डेटा से यह जानकारी मिली। यह लगातार 12वां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.7 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। कलेक्शन में वृद्धि की वजह घरेलू स्तर पर जीएसटी राजस्व 10.2 प्रतिशत बढ़ना है, जो कि फरवरी में 1.42 लाख करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, आयात पर लगने वाले से आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 41,702 करोड़ रुपये रही है।

फरवरी में सेंट्रल जीएसटी कलेक्शन 35,204 करोड़ रुपये, स्टेट जीएसटी कलेक्शन 43,704 करोड़ रुपये और इंटीग्रेटेड जीएसटी कलेक्शन 90,870 करोड़ रुपये रहा है। वहीं बीते महीने 13,868 करोड़ रुपये का सेस एकत्रित किया गया है। रिफंड को निकाल दिया जाए तो फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये रहा है। बीते महीने 20,889 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 17.3 प्रतिशत अधिक था। कलेक्शन में कमी की वजह फरवरी में 28 दिनों का होना था।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी देखने को मिल रही है। देश की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में बढ़कर 6.2 प्रतिशत हो गई है, जो कि इससे पहले की तिमाही में 5.6 प्रतिशत (संशोधित अनुमान) थी। सरकार द्वारा जारी किए गए अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

साइबर हमलाः भारतीय कंपनियों को 20000 करोड़ के नुकसान की आशंका; खुदरा-ई-कॉमर्स को 5800 करोड़ की चपत की संभावना

नई दिल्ली । साइबर अपराधों के कारण इस साल भारतीय संस्थाओं को 20,000 करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। साइबर सुरक्षा खुफिया फर्म क्लाइड सेक ने रिपोर्ट में कहा, उसने विभिन्न क्षेत्रों की 200 कंपनियों, 5,000 से अधिक डोमेन और लगभग 16,000 ब्रांड दुरुपयोग के डाटा साइबर अपराध पैटर्न और वित्तीय प्रभावों आदि का विश्लेषण कर यह अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, 20,000 करोड़ रुपये में से 9,000 करोड़ रुपये अकेले ब्रांड नाम के दुरुपयोग के कारण है। सभी साइबर अपराध की घटनाओं में से एक तिहाई में ब्रांड का दुरुपयोग शामिल है। करीब 70 फीसदी साइबर अपराध उच्च मूल्य वाले सेगमेंट में होते हैं। साइबर अपराध की शिकायतें 25 लाख से अधिक होने की उम्मीद है। इनमें से 5 लाख शिकायतें ब्रांड से जुड़ी हो सकती हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

समर्थन मूल्य पर अब 15 मार्च से उपार्जित किया जायेगा गेहूं

इन्दौर। राज्य शासन द्वारा किसानों के हित लिये गये बड़े और महत्वपूर्ण निर्णय के अनुसार अब रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी का कार्य इन्दौर सहित उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम में 15 मार्च से प्रारंभ होगा। पहले यह खरीदी उक्त क्षेत्रों में 01 मार्च से होना थी। शेष संभाग में भी 17 मार्च से खरीदी के निर्णय में बदलाव करते हुये राज्य सरकार ने किसानों की मांग पर पूरे प्रदेश में एक साथ 15 मार्च से ही खरीदी करने का निर्णय लिया है। वर्तमान में गेहूं की फसल कटाई पूर्ण नहीं होने तथा मंडियों में आ रहे गेहूं में समर्थन मूल्य उपार्जन हेतु भारत सरकार द्वारा निर्धारित नमी के प्रतिशत से अधिक होने के कारण किसानों को असुविधा से बचाने यह निर्णय सरकार द्वारा लिया गया है। विगत वर्षों में भी समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन 15 मार्च के बाद ही प्रारम्भ किया जाता रहा है। किसानों को मध्यप्रदेश सरकार देगी 175 रूपये बोनस रबी विपणन वर्ष 2025-26 में भारत सरकार द्वारा समर्थन मूल्य में 150 प्रति क्विंटल की वृद्धि करते हुए 2425 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य घोषित किया गया है। जबकि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली किसान हितैषी प्रदेश सरकार द्वारा गेहूं उत्पादक किसानों के हित में बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए समर्थन मूल्य 2425 रूपये के अतिरिक्त 175 रूपये प्रति क्विंटल बोनस देने की घोषणा की गई है। राज्य के किसानों से 2600 रूपये प्रति क्विंटल की दर से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की जायेगी। इन्दौर जिले में गेहूँ खरीदी के लिए बनाये गए 91 केन्द्र इन्दौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी के लिए 91 केन्द्र बनाये गए हैं। समर्थन मूल्य पर गेहूँ विक्रय के लिए जिले के 24 हजार 523 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है।

भारत में यात्री वाहनों की बिक्री में बढोत्तरी होने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत में यात्री वाहनों (पीवी) की बिक्री में 2025-26 में 4-7 फीसदी की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भारतीय ऑटोमोबाइल सेक्टर में कोरोना महामारी के बाद रिकवरी देखी जा रही है। आईसीआरए की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी तेजी देखने को मिलेगी, ग्रामीण इलाकों में बढ़ती मांग के चलते 2025 में 11-14 फीसदी और 2026 में 6-9 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है। रिपोर्ट में वाणिज्यिक वाहनों (सीवी) की बिक्री में भी 2026 में बढ़ोतरी का अनुमान जताया गया है। आईसीआरए की रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2024 में पैसेंजर वाहनों की बिक्री 4.2 मिलियन यूनिट के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। 2025 में थोक बिक्री स्थिर रही, जिसका कारण ऑटोमोबाइल निर्माताओं का स्थिर उत्पादन था। इसके बावजूद, उद्योग की बिक्री में लगभग 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस साल पैसेंजर वाहनों की बिक्री बेहतर होने की संभावनाओं के पीछे बेहतर आर्थिक गतिविधियों, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर सरकारी खर्च, माल की अच्छी उपलब्धता, स्क्रैपेज पॉलिसी और पर्यावरण के अनुकूल वाहनों की ओर बढ़ता रुझान जैसे कारण बताए गए हैं।

भारत में कोयला उत्पादन में 5.73 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली । भारत में कोयला उत्पादन अप्रैल से फरवरी अवधि में 5.73 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

इसके अनुसार, प्रतिवर्ष कोयला सेक्टर में मजबूत वृद्धि को दर्ज किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सालाना आधार पर कोयले का समुदायिक उत्पादन 929.41 मिलियन टन पर पहुंच गया है, जो पिछले साल के 880.92 मिलियन टन की तुलना में है। मंत्रालय के अनुसार यह सुनिश्चित करता है कि देश बढ़ती मांग को संतुलित रूप से पूरा करता है। सरकार इस सकारात्मक गति को बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास और परिचालन दक्षता को बढ़ा रही है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बताया कि सरकार कोयला परियोजनाओं की मंजूरी में सुधार के लिए कदम उठा रही है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) ने एक गृहणियों के लिए प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह पहल गृहणियों को प्राथमिक देखभाल के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य रखती है।

प्राइवेट कंपनियों में अब इस काम के लिए इस्तेमाल होगा आधार, सरकार से मिली मंजूरी

नई दिल्ली

भारत सरकार ने प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन के मोबाइल ऐप्स में आधार-इनेबल फेस ऑथेंटिकेशन को शामिल करने की अनुमति दे दी है। इससे यूजर्स के लिए आईडेंटिटी वेरिफिकेशन को आसान, सिक्योर और आसान बनाया जा सकेगा। यह कदम डिजिटल लेनदेन को सुगम बनाने, सेवाओं की बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और इजी आफ लाइफ बढ़ाने में मदद करेगा। इससे हॉस्पिटैलिटी, हेल्थकेयर, क्रेडिट रेटिंग ब्यूरो, ई-कॉमर्स, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और एग्रीगेटर सेवा प्रोवाइडर्स जैसे कई क्षेत्रों को लाभ मिलेगा।

इस अपडेट के बाद, प्राइवेट कंपनियां आधार फेस ऑथेंटिकेशन का इस्तेमाल अब कस्टमर ऑनबोर्डिंग, ई-केवाईसी वेरिफिकेशन, एग्जाम रजिस्ट्रेशन और इंप्लॉई अटेंडेंस मार्क सकते है। यह बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन यूजर्स को तेज, सिक्योर और झंझट मुक्त सेवा प्रदान करेगा, जिससे ओटीपी (ओटीपी) या दस्तावेजों पर डिपेंडेंसी कम होगी। मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (मेरिटी) के अनुसार, यह फैसला आधार ऑथेंटिकेशन फॉर गुड गवर्नेंस संशोधन नियम, 2025 के तहत लिया गया है।

इसका उद्देश्य सुशासन और सेवा वितरण में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाना है। मेरिटी ने आधार गुड गवर्नेंस पोर्टल भी लॉन्च किया है, जहां ऑथेंटिकेशन सेवाओं के लिए एप्लीकेशन और ऑनबोर्डिंग प्रोसेस से जुड़ी गाइडलाइन उपलब्ध कराई गई हैं। इस पोर्टल को मेरिटी के सेक्रेटरी एस. कृष्णन द्वारा लॉन्च किया गया।

इस मौके पर यूआईडीएआई के सीईओ भुवनेश कुमार, एनआईसी के डायरेक्टर जनरल इंदर पाल सिंह सेठी, यूआईडीएआई के डीडीजी मनीष भारद्वाज और अमोद कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मेरिटी सेक्रेटरी एस. कृष्णन ने कहा कि इस पोर्टल के लॉन्च और अन्य प्रोसेस को सुगम बनाने में काम करता है। आधार की मदद से भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भी मदद मिल रही है। आधार कार्ड की मदद से गुड गवर्नेंस पोर्टल को दुरुस्त किया जा रहा है।

आधार करेक्शन एक जरूरी प्रोसेस है। अगर आप भी आधार कार्ड करेक्शन करना चाहते हैं तो हम इसके बारे में बताने जा रहे हैं। आधार कार्ड करेक्शन की लिमिट भी तय की गई है। अगर आप मोबाइल नंबर अपडेट करना चाहते हैं तो इसके लिए कोई लिमिट नहीं रखी गई है। यानी आप अनलिमिटेड टाइम इसे करेक्ट कर सकते हैं। नाम को भी आधार कार्ड में अपडेट किया जा सकता है।

एसबीआई रिपोर्टः भारत की जीडीपी विकास दर 25 वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी होगी

नई दिल्ली। एसबीआई रिसर्च ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें वित्त वर्ष 25 के भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रिपोर्ट के अनुसार, जीडीपी विकास दर की 6.5 फीसदी से उम्मीद की जा रही है, जो कि एक स्थिर और सुखद वृद्धि को दर्शाता है। इसके साथ ही रिपोर्ट में उल्लेख था कि चौथी तिमाही में विकास दर 7.6 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था के मंदिर स्थिति को दर्शाता है। इसमें मई 2025 के जीडीपी आंकड़ों में संशोधन की संभावना भी शामिल है। इस समय की अर्थव्यवस्था की स्थिति को देखते हुए, रिपोर्ट ने वित्त वर्ष 2023-24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर को 9.2 फीसदी बताया, जो लंबे समय के बाद सबसे अधिक है। इसमें कोरोना महामारी के पश्चात उठाई गई अर्थव्यवस्था की रिकवरी का भी महत्वपूर्ण योगदान है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 6.2 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर्ज की है, जो पिछली तिमाही की तुलना में अधिक है। चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मुख्य उद्यमिक गतिविधियों में भी वृद्धि देखी गई है, जो ग्रॉस वैल्यू एडेड में उछाल के रूप में प्रकट हुआ है। इस इसकी संक्षेप में, वित्त वर्ष 24 की रियल जीडीपी वृद्धि दर में संशोधन किया गया है, जो एक सकारात्मक संकेत हो सकता है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता की ओर एक चिंताजनक कदम है।

पेटीएम को ईडी से मिला कारण बताओ नोटिस

611 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन से जुड़ा है मामला, कंपनी ने कहा- सर्विसेस पर कोई असर नहीं

नई दिल्ली

पेटीएम को फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट नियमों का उल्लंघन करने के मामले में प्रवर्तन निदेशालय यानी, ईडी से कारण बताओ नोटिस मिला है। यह मामला 2015 से 2019 के बीच 611 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन से जुड़ा है।

611 करोड़ रुपए में से 345 करोड़ रुपए सब्सिडियरी कंपनी लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े निवेश लेनदेन से संबंधित हैं, जबकि 21 करोड़ रुपए नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े हैं। बाकी राशि पेटीएम की पेरेंट कंपनी कम्युनिकेशंस लिमिटेड से जुड़ा है। पेटीएम ने 2017 में दोनों कंपनियों का अधिग्रहण किया था। पेटीएम ने कहा- सर्विसेस पर कोई असर नहीं पेटीएम ने कहा है कि ये नोटिस 28 फरवरी 2025 को मिला है। ये उल्लंघन उस समय हुए थे जब ये कंपनियां वन97 कम्युनिकेशंस की सहायक कंपनियां नहीं थीं। पेटीएम ने बताया कि मामले का समाधान किया जा रहा है। पेटीएम की सर्विसेज पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। पेटीएम को मिले नोटिस की खबर का असर सोमवार को पेटीएम के शेयर पर दिख सकता है। शुक्रवार को पेटीएम का शेयर 1.59प्रतिशत की गिरावट के साथ 714 रुपए पर बंद हुआ था। एक साल में शेयर 70प्रतिशत बढ़ा है। वहीं इस साल शेयर में करीब 27प्रतिशत की गिरावट आई है।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में नेट लॉस 208 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले की समान तिमाही में पेटीएम का घाटा 220 करोड़ रुपए था। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 36प्रतिशत गिरकर 1,828 करोड़ रुपए हो गया। 1999 में लाया गया था फेमा एक्ट फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट यानी,साल 1999 में एक पुराने अधिनियम(विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम) को बदलने के लिए पेश किया गया था। भारत में शुरुआत का मुख्य उद्देश्य बाहरी व्यापार और भुगतान को सुविधाजनक बनाना था।

बैंकों ने ग्राहकों से हिडेन चार्जेज से वसूले 11 हजार करोड़: क्रेड सीईओ

भारतीय फिनटेक ऐप क्रेड ने खुलास किया है कि बैंकों ने ग्राहकों से हिडेन चार्जेज लगाकर 11 हजार करोड़ रुपये वसूल लिए हैं। क्रेड के सीईओ कुणाल शाह ने बताया कि उनका फिनटेक प्लेटफॉर्म ने पिछले साल ही 11,000 करोड़ रुपये के हिडेन शुल्क और लेट फीस प्रस्तुत की। फिर भी उन्होंने एक नया टूल्स का उद्घाटन किया है जिसका मकसद क्रेडिट कार्ड के उपभोक्ताओं के लिए क्रेडिट की प्रबंधन प्रक्रिया को सुधारना है। इस नए फीचर में क्रेड प्रोटेक्ट भी शामिल है, जो हिडेन चार्जेज और बिलिंग त्रुटियों को संबोधित करता है। यह विसंगति पहचान प्रणाली अनधिकृत शुल्क, गलत ब्याज शुल्क और अप्रत्याशित शर्तों का पता लगाने में मदद करती है। क्रेड का मिशन है लोगों के लिए क्रेडिट के प्रयोग को सरल और अधिक सहज बनाना, जो उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता और संबंधितता प्रदान करता है। कुणाल शाह ने व्यवसाय की इस दिशा को दर्शाने में सवालबार्ड के साथ उनके सहयोग का भी जिक्र किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्रेड नहीं सिर्फ क्रेडिट को सरल बना रहा है, बल्कि लोगों की वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा दे रहा है।

31 मार्च से पहले टैक्स बचाने कर ले ये उपाय, मिलेगा फायदा

नई दिल्ली

अगर आप टैक्स बचाने चाहते है तो 31 मार्च से पहले कुछ उपाय कर सकते है। इससे आपको टैक्स बचत का लाभ मिल सकता है। इन उपाय से न सिर्फ आपका टैक्स बचता है, बल्कि इन्वेस्टमेंट भी होता है। हालांकि अगर आप ऐसा करना चाहते हैं, तो आपको 31 मार्च से पहले ये उपाय कर लेने चाहिए। ऐसा करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आप 1.5 लाख रुपये तक बचा सकेंगे। हालांकि यह सुविधा सिर्फ इनकम टैक्स की सिर्फ पुरानी रीजीम में भी मिलेगी। अगर आप इनकम टैक्स की पुरानी रीजीम का इस्तेमाल कर रहे हैं तो आप 31 मार्च से पहले ये काम कर सकते हैं और टैक्स बचा सकते हैं। सुकन्या समृद्धि योजना यानी कि एसएसवाय स्कीम भी टैक्स बचाने के लिए अच्छा ऑप्शन है।

हालांकि यह स्कीम सिर्फ ऐसे लोगों के लिए है जिनकी बेटियाँ हैं। लोग अपनी 10 साल से कम उम्र की दो बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि अकाउंट खोल सकते हैं। इस स्कीम में इन्वेस्टमेंट पर 8.2प्रतिशत ब्याज मिलता है। सुकन्या समृद्धि योजना के लिए खोले गए अकाउंट में 250 रुपये से कम का इन्वेस्टमेंट नहीं किया जा सकता। इस स्कीम में मिलने वाले ब्याज पर कोई टैक्स नहीं लगता। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों के लिए टैक्स बचाने के लिए सीनियर सिटीजंस सेविंग्स स्कीम अच्छा ऑप्शन है। इसमें 5 साल तक के लिए इन्वेस्टमेंट किया जा सकता है और 1,000 रुपये से 30 लाख रुपये तक लगाए जा सकते हैं, जिससे टैक्स पर 1.5 लाख रुपये तक बचाए जा सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी कि पीपीएफ टैक्स बचाने के लिए एक बेहतरीन ऑप्शन है। पीपीएफ पर 7.1प्रतिशत ब्याज दर है। सरकार हर 3 महीने में पीपीएफ पर ब्याज दर की समीक्षा करती है। पीपीएफ में 1.5 लाख रुपये तक इन्वेस्ट किए जा सकते हैं जिससे टैक्स बचाया जा सकता है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी कि एनएससी भी टैक्स बचाने के लिए सही स्कीम है। इसमें कम से कम न्यूनतम 1,000 रुपये इन्वेस्ट करने ज़रूरी है और 5 साल से पहले पैसे नहीं निकाले जा सकते। इस स्कीम पर 7.7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। 5 साल बाद इस स्कीम का अकाउंट मैच्योर हो जाता है। म्यूचुअल फंड की टैक्स सेविंग्स स्कीम भी टैक्स बचाने का अच्छा ऑप्शन है। इस स्कीम में 3 साल तक पैसे इन्वेस्ट करने ज़रूरी है, जिससे टैक्स पर बचत की जा सकती है।

भारत में निजी उपभोग हुआ लगभग दोगुना

नई दिल्ली

भारत में निजी उपभोग 2013 के 1000 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर वर्ष 2024 में 2100 अरब डॉलर हो गया। यानी प्राइवेट कंजम्पशन सालाना 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो अमरीका, चीन और जर्मनी से भी अधिक है। देश में निजी उपभोग में बंपर बढ़ोतरी हुई है।

डेलॉयट इंडिया और रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 2026 तक दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बनने की राह पर अग्रसर है और जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। यह देश के मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण वृद्धि और खर्च में होने वाले मौलिक बदलाव को दर्शाता है। आय बढने से ग्रामीण और शहर इलाकों में परिवारों का अपैरल, फुटवियर, ट्रैवल और वेलनेस पर खर्च बढने की उम्मीद है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रिटेल मार्केट वर्ष 2034 तक 190 लाख करोड़ रुपए का होने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2030 तक 10,000 अमरीकी डॉलर से अधिक कमाने वाले भारतीयों की संख्या करीब तीन गुना बढने की उम्मीद है।

अमेरिका में दिग्गज अरबपति एलन मस्क का विरोध तेज, टेस्ला शोरूम के बाहर हो रहे प्रदर्शन

बोस्टन। सरकारी खर्च में कटौती करने को लेकर अमेरिकी लोगों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला सीईओ एलन मस्क के प्रति काफी आक्रोश है। शनिवार को अमेरिका में लोगों ने टेस्ला के शोरूम के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने मस्क के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हम एलन मस्क से बदला लेना चाहते हैं। बोस्टन में टेस्ला स्टोर के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम हर जगह टेस्ला शोरूम में जाकर उसका बहिष्कार करके, बाकी सभी को बाहर निकालने, अपने स्टॉक बेचने और टेस्ला को बेचने की बात कहकर मस्क को आर्थिक नुकसान पहुंचा सकते हैं। प्रदर्शन के दौरान ब्रास बैंड ने संगीत बजाया। जबकि कई प्रदर्शनकारियों ने हाथ में बैनर लेकर नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मस्क और डीओजीई का मजाक भी उड़ाया। इसमें लिखा था कि एलन और घृणित मस्कराट्स को रोका जाए। एक प्रदर्शनकारी और संघीय कर्मचारी ने कहा कि ट्रंप और मस्क के नेतृत्व वाली यह सरकार पूरी तरह से पटरी से उतर चुकी है। हम इसे रोकने के लिए यहां आए हैं।

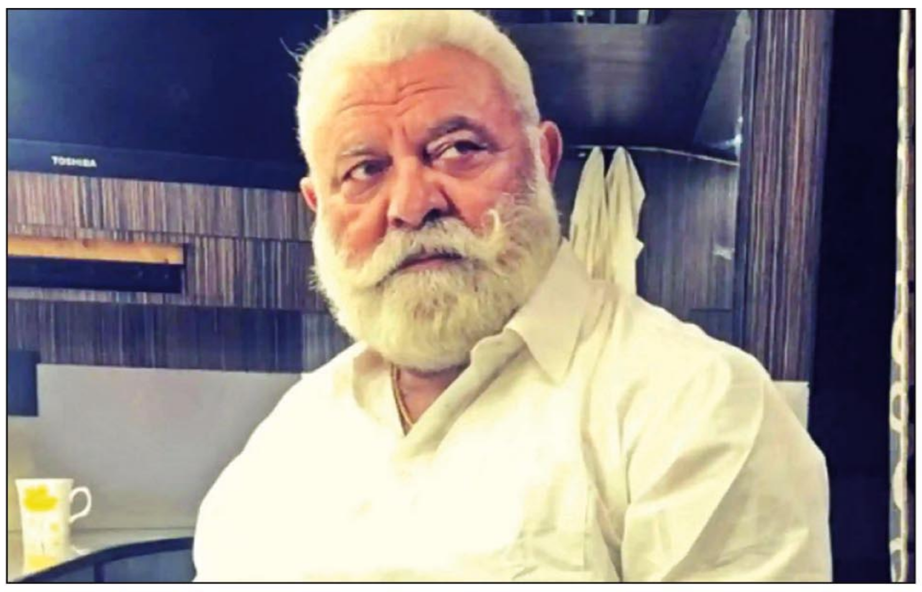

योगराज ने युवकों की मदद नहीं करने पर की पाकिस्तानी पूर्व दिग्गजों की आलोचना

कहा- पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में जुनून नहीं वह पैसे के लिए देश का दुरुपयोग करते हैं

चंडीगढ़

भारत के पूर्व क्रिकेटर योगराज सिंह ने देश के युवा वर्ग को मदद नहीं करने के लिए पाकिस्तान के दिग्गजों की आलोचना की और कहा है कि वे केवल पैसा कमाने के उद्देश्य से अपने ही देश का दुरुपयोग करते हैं। पाकिस्तान ने चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप स्टेज का अपना आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ खेलना था, लेकिन यह बारिश की भेंट चढ़ गया। इसके साथ पाकिस्तान चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गया। उन्हें केवल एक ही अंक मिला। पाकिस्तान में 29 सालों में पहला आईसीसी टूर्नामेंट हो रहा था लेकिन उनका प्रदर्शन बेहद खराब रहा।

योगराज ने कहा कि पाकिस्तान के साथ समस्या यह है कि उनके पास वसीम अकरम, शोएब अख्तर, वकार यूनिस या इंजमाम-उल-हक जैसे महान सेवानिवृत्त खिलाड़ी हैं। मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं लेकिन जो गलत है वह गलत है। भारत और पाकिस्तान के बीच अंतर यह है कि राहुल द्रविड़, लक्ष्मण और युवराज सिंह जैसे खिलाड़ियों ने भविष्य के भारतीय खिलाड़ियों को विकसित करने में मदद की है। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, यही वजह है कि मैं अपने बेटे की बलि देने के लिए तैयार था, जिसे कैंसर था, लेकिन पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स में वह जुनून नहीं है। वे अपनी तुलना भारत से करते हैं लेकिन अपने देश से इतना प्यार नहीं करते कि कहें कि हमने काफी पैसा कमा लिया है और युवा पीढ़ी को प्रशिक्षित करना शुरू कर दें। इमरान खान ने इन सभी खिलाड़ियों के लिए मंच तैयार किया था लेकिन उन्हें जेल भेज दिया गया। वे उस तरह के लोग हैं जो पैसों के लिए अपने देश को गालियां देते हैं।

योगराज ने पाकिस्तान टीम को कोचिंग देने की भी बात कही। 75 साल पहले हम साथ हुआ करते थे, बिछड़ गए लेकिन प्यार नहीं मिटता। कोई भी टीम जो पतन की ओर है, मुझे अपनी सेवाएं प्रदान करने में खुशी होगी।

न्यूज ब्रीफ

गावस्कर ने लगाई इंग्लिश दिग्गजों की क्लास, कहा - भारत पर टिप्पणी से पहले अपनी टीम पर ध्यान दें

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने हाल ही में दावा किया था कि चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को फायदा मिल रहा है क्योंकि टीम को एक ही स्थान पर खेलने का अवसर मिल रहा है, जबकि बाकी टीमों को लगातार सफर करना पड़ रहा है, जिससे उनके प्रदर्शन पर असर पड़ रहा है। इस बयान पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर ने करारा जवाब दिया है। गावस्कर ने इंग्लिश दिग्गजों को फटकार लगाते हुए कहा, आप हर वक्त भारत के बारे में ही क्यों सोचते हैं क्या आपको अपने देश की परवाह नहीं है भारत को क्या मिला, भारत को क्या नहीं मिला, यही सब कहने से बेहतर है कि आप अपनी टीम पर ध्यान दें। आपकी टीम टूर्नामेंट से बाहर क्यों हुई, उस पर गौर करें। उन्होंने आगे कटाक्ष करते हुए कहा, इंग्लैंड की टीम ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई, लेकिन ये लोग भारत की स्थिति पर टिप्पणी करने में व्यस्त हैं। उन्हें समझना चाहिए कि उनका वेतन भी उसी से आता है जो भारत क्रिकेट की दुनिया में लाता है। गौरतलब है कि भारत अब तक चैंपियंस ट्रॉफी में अपने सभी मुकाबले जीत चुका है और 2 मार्च को उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा। भारत के सभी मैच दुबई में खेले जा रहे हैं, क्योंकि बीसीसीआई ने पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था, जिसके चलते टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जा रहा है।

दुनिया के सबसे उम्रदराज क्रिकेटर दक्षिण अफ्रीकी के रॉन ड्रेपर का निधन

नई दिल्ली। सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर ने दुनिया को अलविदा कह दिया है। ये टेस्ट क्रिकेटर रॉन ड्रेपर थे, जिनका निधन 98 साल और 63 दिनों की उम्र में हुआ। 28 फरवरी 2025 को उनके निधन की पुष्टि हुई। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर रहे रॉन ड्रेपर ने 1950 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए दो टेस्ट मैच खेले थे। ऑस्ट्रेलिया टीम में उनके एक प्रतिद्वंद्वी रहे नील हार्वे अब 96 वर्ष की आयु में सबसे बुजुर्ग जीवित टेस्ट खिलाड़ी हैं। पिछले दोनों सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर दक्षिण अफ्रीकी के ही थे। इनमें एक नॉर्मन गॉर्डन का नाम शामिल है, जिनका 2016 में 103 साल की आयु में निधन हुआ था और जॉन वॉटकिंस 98 साल तक जीवित रहे। उन्होंने 2021 में अंतिम सांस ली थी। रॉन ड्रेपर का जन्म 24 दिसंबर 1926 को हुआ था। उन्होंने अपने 19वें जन्मदिन पर ऑरेंज फ्री स्टेट के खिलाफ ईस्टर्न प्रोविंस के लिए प्रथम श्रेणी में पदार्पण करते हुए शतक बनाया था। 1949-50 में दौरे पर आई ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ प्रोविंस के लिए 86 रन बनाने के बाद उन्हें मेहमान टीम के खिलाफ आखिरी दो टेस्ट मैचों के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में चुना गया था, लेकिन उन्होंने तीन पारियों में केवल 25 रन ही बनाए थे। इसके विपरीत हार्वे, जो उस समय 21 साल के थे और अपने शानदार टेस्ट करियर के शुरुआती दौर में थे, उन्होंने दोनों मैचों में शतक लगाया था।

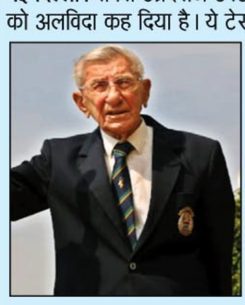

साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया, सेमी फाईनल में बनाई जगह

कराची। साउथ अफ्रीका ने चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। साउथ अफ्रीका ने शनिवार को ग्रुप-बी के आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया। अफ्रीकी टीम ने 180 रन के लक्ष्य को 29.1 ओवर में 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड की टीम 38.2 ओवर में 179 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। वहीं, जोस बटलर ने 21 और जोफ्रा आर्चर ने अपनी टीम के लिए 25 रन का योगदान दिया। अफ्रीकी गैंदबाज मार्को यानसन और वायन मुल्डर ने 3-3 विकेट लिए वहीं, लुंगी एनगिडी, कगिसो रबाडा ने 1-1 विकेट लिया और केशव महाराज ने 2 विकेट लिये।

ऑस्ट्रेलिया का 'नीली जर्सी' से 36 का आंकड़ा, ट्रेविस हेड बना बड़ा खतरा

नई दिल्ली

जिस तरह खाने की चीज़ देखकर मुँह में पानी आ जाता है या बच्चों को खिलौना देखकर खुशी मिलती है, उसी तरह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को नीली जर्सी वाली टीमों को हराने में अलग ही जोश आता है। कंगारू टीम के लिए जैसे ही नीली जर्सी सामने आती है, उनकी रगों में उबाल आ जाता है और वे अपने पुराने अंदाज में लौट आते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला।

हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया से अब तक सामना नहीं हुआ, लेकिन फिर भी दो ऐसी टीमें थीं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान में उतरीं और दोनों टीमें इंग्लैंड और अफगानिस्तान का हश्र एक जैसा रहा। संयोग से दोनों ही टीमों की जर्सी नीले रंग की थी और दोनों को कंगारुओं ने मात दी। ऑस्ट्रेलिया के रेगुलर कप्तान पैट कमिंस, स्टार तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, मिचेल मार्श और मार्कस स्टोइनिस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद यह टीम जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। जब इंग्लैंड ने लाहौर में 351 रन बनाए तो ऐसा लगा कि वे मुकाबला जीत लेंगे, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लिस के शतक की बदौलत यह लक्ष्य भी हासिल कर लिया। इसके बाद अफगानिस्तान को भी कंगारुओं ने करारी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया की इस लय के पीछे एक नाम है ट्रेविस हेड। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के लिए नीली जर्सी वाली टीमों के खिलाफ खेलना जैसे किसी मिशन से कम नहीं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ उन्होंने 40 गेंदों पर 60 रन ठोक डाले, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनका स्ट्राइक रेट 147 का रहा। अगर थोड़ा पीछे जाएं, तो 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भी यही हुआ था। भारत के खिलाफ हेड ने 120 गेंदों पर 140 के स्ट्राइक रेट से 137 रन जड़ दिए थे, जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उस पारी ने भारत का तीसरी बार वर्ल्ड कप जीतने का सपना तोड़ दिया था। इतना ही नहीं, 2023 में हुए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत का आमना-सामना हुआ था, और वहां भी हेड ने शतक ठोककर भारत को शिकस्त दिलाई थी।

भारत को रहना होगा सतर्क!

इतिहास गवाह है कि ऑस्ट्रेलिया जब भी किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मुकाबले में भारत से भिड़ा है, उसने ज्यादातर मौकों पर बाजी मार ली है। भारत अब चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है, और अगर फाइनल में उसका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से होता है, तो रोहित शर्मा एंड कंपनी को कंगारुओं से बचने के लिए खास रणनीति बनानी होगी। क्या इस बार भारत 'नीली जर्सी' के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के अजेय रिकॉर्ड को तोड़ पाएगा यह देखना दिलचस्प होगा!

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, मैथ्यू शॉर्ट सेमीफाइनल से हो सकते हैं बाहर

करांची

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में बिना कोई मैच जीते सेमीफाइनल में पहुंच चुकी ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लग सकता है। टीम के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू शॉर्ट चोटिल हो गए हैं और उनके आगामी मुकाबले में खेलने पर संशय बना हुआ है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ लाहौर में खेले गए मैच के दौरान चोट लगी थी, जिसके कारण वह सेमीफाइनल से बाहर हो सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इस पर चिंता जताते हुए कहा कि शॉर्ट अभी संघर्ष कर रहे हैं और उनके ठीक होने के लिए कुछ दिन काफी कम हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि उनकी जगह कौन सा खिलाड़ी प्लेइंग इलेवन में शामिल होगा, लेकिन माना जा रहा है कि जेक फ्रेजर-मैकगर्क को मौका मिल सकता है। मैथ्यू शॉर्ट ने अफगानिस्तान के खिलाफ 15 गेंदों पर 20 रन बनाए थे, जिसमें तीन चौके और एक छक्का शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक 102 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 83 रन बनाए हैं, जिससे वह टीम के अहम बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। उनकी गैरमौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी लाइनअप पर असर पड़ सकता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में ऑस्ट्रेलिया 274 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी और 13 ओवर में एक विकेट खोकर 109 रन बना चुकी थी। लेकिन इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और करीब एक घंटे की देरी के बाद अंपायरों ने गीली पिच की वजह से मैच रद्द करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप बी की अंक तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है। टीम को अब यह जानने के लिए रविवार को भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले मुकाबले का इंतजार करना होगा कि उसका सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को दुबई में होगा या 5 मार्च को लाहौर में।

जयेश आचार्य और प्रमोद गंगराड़े भारतीय पैरा टेबल टेनिस टीमों के प्रशिक्षक नियुक्त

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ द्वारा मध्य प्रदेश के जयेश आचार्य और प्रमोद गंगराड़े को इटली तथा स्पेन में होने वाली भारतीय पैरा टेबल टेनिस टीमों का प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। आई.टी.टी.एफ. पैरा फ्यूचर लिग्नानो स्पर्धा इटली में आगामी 6 से 9 मार्च 2025 तथा आई.टी.टी.एफ. पैरा फ्यूचर कोस्टा ब्रावा स्पर्धा स्पेन में 11 से 14 मार्च 2025 तक खेली जायेगी। उक्त स्पर्धाओं में भारत का 26 सदस्यीय दल भाग लेगी। उक्त जानकारी देते हुए भारतीय टेबल टेनिस महासंघ की मीडिया समिति के चेयरमेन ओम सोनी ने बताया कि जयेश और प्रमोद पूर्व में भी अंतराष्ट्रीय स्पर्धाओं में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके है। उक्त दल के साथ इन्दौर के पवन कारपेंटर तथा किंजल शाह फिजोयोथेरेपिस्ट के रूप में दल का हिस्सा रहेंगे। भारतीय पैरा टीम 4 मार्च को मुम्बई से रवाना होगीं। जयेश आचार्य और प्रमोद गंगराड़े के मनोनयन ओम सोनी, नरेन्द्र कौशिक, रिंकु आचार्य, प्रमोद सोनी, अमित कोटिया, नीलेश वेद, गौरव पटेल ने हर्ष व्यक्त करते हुये शुभकामनायें दी।

बटलर के बाद कौन होगा इंग्लैंड का कप्तान टीम में हैं तीन मजबूत दावेदार

नई दिल्ली

इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर होने के बाद टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। मैच के बाद उन्होंने कहा था कि वे इस बारे में सोचेंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने वनडे टीम की कप्तानी से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के टीम के आखिरी लीग मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ कप्तानी करते नजर आएंगे, लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की व्हाइट बॉल टीम का कप्तान कौन होगा इंग्लैंड की टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक ने कुछ महीने पहले की थी। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज में कप्तान रह चुके हैं और वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को उनकी टीम ने 3-2 से हराया था। मौजूदा समय में इंग्लैंड के बाहर उनसे रन नहीं बन रहे हैं। इसके बावजूद उनकी दावेदारी कप्तानी के लिए मजबूत लग रही है।

इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट की लोकप्रियता भी कम नहीं है। इंग्लैंड की टीम को कई बार बेन डकेट ने संघर्षों से बाहर निकाला है। उन्होंने मध्य क्रम में भी कुछ अच्छी पारियां खेली हैं। वह तीनों फॉर्मेट में खेलते हैं और एक सीनियर प्लेयर हैं। उनके साथ समस्या है कि जब भी वह बोलते हैं तो इंग्लैंड के प्रशंसकों को परेशान कर देते हैं। उन्होंने हाल ही में बयान दिया था कि भारत के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने से अच्छा है कि चैंपियंस ट्रॉफी जीते, लेकिन ऐसा नहीं कर पर पाए। इसमें कुछ बुरा नहीं है। अगर इंग्लैंड की भारत से पहले की सीरीज देखें तो वहां लियाम लिविंगस्टोन ने प्रभावित किया था और एक शतक जड़ा था। वे मैच्योर प्लेयर हैं और सीधे साफ बोलने के लिए मशहूर हैं। वे शॉर्ट फॉर्मेट में उनकी टीम में जगह भी फिलहाल पक्की है। ऐसे में वे कप्तानी के दावेदार हैं। इसके अलावा जो रूट और बेन स्टोक्स भी ब्रैंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी करते नजर आ सकते हैं।

अ.भा. गोल्डकप फुटबॉल स्पर्धा : राजमोहल्ला इलेवन व महू एकेडमी मुख्य दौर में पहुंची

क्वालीफाई करने वाली छह टीमें अब देश की दिग्गज टीमों के साथ खेलेगी

इन्दौर

सेंट्रल जिमखाना क्लब की मेजबानी में आयोजित प्रकाश सोनकर व सुरेश ऐरन स्मृति अ.भा. मोयरा गोल्ड कप फुटबॉल स्पर्धा के मुख्य दौर का आगाज रविवार से हो रहा है, पहले चरण के अंतिम मैचों में राजमोहल्ला इलेवन व महू एकेडमी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे चरण के लिए क्वालीफाई कर लिया है। इन्दौर व महू की क्वालीफाई करने वाली छह टीमों को अब देश की दिग्गज टीमों के साथ खेलने का मौका मिलेगा।

स्पर्धा संयोजक भारत मथुरावाला ने बताया कि मोयरा सरिया, खेल विभाग व नगर पालिक निगम इन्दौर के सहयोग से आयोजित की जा रही इस स्पर्धा के तहत शनिवार को पहला मुकाबला राजमोहल्ला इलेवन व मालवा स्पोर्ट्स के मध्य खेला गया, मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए तेज गति के खेल का प्रदर्शन किया। दर्शकों को कई शानदार मूव देखने को मिले। मैच के 35वें मिनट में अनिकेत ने तीन खिलाड़ियों को छकाते हुए 25 गज की दूरी से शक्तिशाली प्रहार करते हुए शानदार गोल दाग दिया व राजमोहल्ला इलेवन को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद मालवा स्पोर्ट्स ने दूसरे हॉफ में पहटवार करते हुए कई हमले बोले लेकिन राजमोहल्ला इलेवन की सशक्त डिफेंस व गोलकीपर ने सभी हमलों को नाकाम कर दिया और राजमोहल्ला की टीम 1 मात्र गोल से जीत हासिल कर मुख्य दौर के लिए क्वालीफाई कर गई। शनिवार को दूसरा मैच महू एकेडमी व एस.एफ. बायज के मध्य खेला गया। एस.एफ बायज ने कई दिग्गज टीमों को हराकर अंतिम दौर में प्रवेश किया था, लेकिन उसे कड़े संघर्ष के बाद महू एकेडमी से 2-1 से मात खाना पड़ी। इस मैच के 10वें मिनट में ही एस.एफ. बायज की ओर से आदित्य ने सुंदर मैदानी गोल दागा, लेकिन इसके बाद इस मैच के हीरो विपिन ने 17वें तथा 27वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर महू एकेडमी को निर्णायक बढ़त हासिल करवा दी। हालाकि एस.एफ. बायज ने वापसी के कई प्रयास किए लेकिन रैफरी की अंतिम सिटी बजने तक बाजी महू एकेडमी के पक्ष में 2-1 से आ गई थी। मैचों के दौरान अपेक्स बैंक के वाइस प्रेसिडेंट पवन बाकलीवाल, संजय लुणावत, रमेश मूलचंदानी, पार्षद पूजा पाटीदार तथा पुलिस विभाग के काईम हुसैन रिजवी ने परिचय प्राप्त कर खिलाडियों की हौसला अफजाई की। अतिथियों का स्वागत भारत मथुरावाला, के.के. गोयल, महेश दलोद्रा, जितेन्द्र गर्ग, विष्णु बिंदल, अरविन्द तिवारी, संजय विजयवर्गीय, मनोहर मस्ताना, अतुल अग्रवाल, रमेश खंडेलवाल, बी.के. गोयल, रविंद्र राठी, पवन सिंघल, अजय रांवका, अज्जू बडजात्या, मनीष मित्तल, जमना सिलावट, नारायण खरबड़ीकर, शेख हमीद ने किया।

मुख्य दौर में मुकाबले

- 1. यंग आदिवासी इन्दौर वि. साई धाम युनाईटेड महू
- 2. आदिवासी ए इन्दौर वि. डे बोर्डिंग महू ।

बैग कैरी करने का तरीका...

हमारी जिंदगी में बहुत सी चीजें ऐसी होती है, जिन्हे कैरी करने के तरीके से हमारी पर्सनालिटी के बारे में बहुत कुछ पता चलता है, कि हमारी पर्सनालिटी कैसी है। इन्हीं चीजों में से एक है हमारे बैग कैरी करने की आदत। अगर आपको लगता है कि बैग को किसी भी तरह कैरी करो क्या फर्क पड़ता है, तो आपको इस बारे में एक बार और सोचने की जरुरत है। यही तरीका आपके बारे में बहुत कुछ कहता है। अगर आपको कंधे पर बैग कैरी करना अच्छा लगता है, तो आप उन महिलाओं में से एक है जो काम और फैमिली दोनों को एक साथ हैंडल करके चलती हैं और जो काफी व्यस्त रहती हैं। आप दिखावे में यकीन नहीं करती हैं और आप काफी प्रैक्टिकल इंसान हैं। आप फैशन से ज्यादा अपने काम पर फोकस करना पसंद है। अगर आप अपना बैग हाथ में पकड़ती है, तो आपको ऐश-ओ-आराम की लाइफ पसंद है। आपको महंगे लेकिन छोटे क्लचेज कैरी करना काफी अच्छा लगता है। अगर आप बैग को बांह के नीचे दबाकर रखती हैं तो आप उन महिलाओं में से हैं, जो लोगों से आसानी से घुलती-मिलती नहीं हैं और उनसे दूरी बनाकर रखती हैं।

आकर्षक चेहरे को देखने से तेज होती है याददाश्त

अगर आप अपनी याददाश्त बढ़ाना चाहते है तो इसके लिए शोधकर्ताओं ने बेहद आसान और अनोखा तरीका खोजा है। विपरीत लिंग के आकर्षक व्यक्ति की ओर लगातार देखने से स्मरण शक्ति बढ़ सकती है विशेषकर पुरुषों की। अमेरिकी पत्रिका पैसिफिक स्टैण्डर्ड में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार अपने से विपरीत लिंग के व्यक्ति की ओर देखने से याददाश्त तेज होती है। शोधकर्ताओं ने इसका पता लगाने के लिए दो शोध किए जिसमें पुरुषों को एक आकर्षक और एक साधारण महिला की तस्वीरें दिखाई गई। आकर्षक तस्वीर की ओर देखने वाले पुरुषों की याददाश्त साधारण महिला की तस्वीर देखने वालों की तुलना में बेहतर दिखी। पहले प्रयोग में मनोविज्ञान के 58 छात्रों को विपरीत लिंग के 10 चेहरों को सात सेकंड तक दिखाते हुए एक कहानी सुनाई गई। इन चेहरों में बेहद आकर्षक और साधारण महिलाओं की तस्वीरें शामिल थी। बाद में पाया गया कि सुंदर चेहरों को देखने वाले पुरुषों को कहानी अच्छे तरीके से याद रही।

हल्के लहंगे चलन में...

जब हम किसी फ्रेंड या किसी रिश्तेदार की पार्टी में जानें के लिए शॉपिंग करते हैं तो हम सोचते है कि ऐसी कौन सी ड्रैस पहनी जाएं जिसमें हम कूल और स्टाइलिश भी लगें तो ऐसे में हमारे मन में सबसे पहला ख्याल लहंगे का आता है, लेकिन आजकल हल्के लहंगे चलन में बहुत हैं। यहां तक की ब्राइडल लुक के लिए यह लहंगे फैशन में बने हुए है। इन लहंगों को आप भारी एम्ब्रॉयडरी की हुई चोली या ब्लाउज के साथ मैच कर पहन सकती हैं। सबसे बड़ी बात कि हल्के लहंगों के साथ आपको जूलरी मैच करने में भी ज्यादा सोचना नहीं पड़ता क्योंकि इस पर कोई भी ज्यूलरी मैच कर जाती है। अगर आप भी किसी फंक्शन के लिए ड्रैस चुन रही है तो आप हल्के लहंगों को चुन सकती है।

ऐसे पाएं लंबी पलकें...

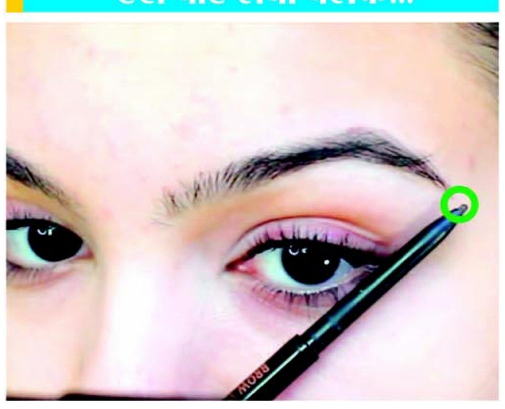

बॉलीवुड अदाकाराओं जैसी लंबी पलकें आप भी पा सकती हैं। पेट्रोलियम जैली जैसे वैसलीन को पलकों पर अप्लाई करने से पलकें और तेजी से बढ़ने लगेंगी। इस घरेलू नुस्खे से आपकी पलकें थिकर और स्ट्रॉन्ग भी हो जाएंगी। आपको हर तीन महीने में अपनी पलकें ट्रिम करनी चाहिए, लेकिन इसके सिर्फ एक छोटे से पार्ट को ही ट्रिम करें। पलकें ट्रिम करने से ये और तेजी से बढ़ने लगेंगी। जैतून का तेल पलकों को विकसित करने के लिए काफी पुराना नुस्खा है। सोने से पहले अपनी पलकों के आसपास एक रुई की मदद से जैतून का तेल लगा लें। पूरी रात जैतून के तेल में मौजूद आवश्यक विटामिन पलकों मे समा जाएंगे।

पियर्सिंग के खतरों को जानें...

स्टाइलिश दिखने और खुद को अप टू डेट रखने के लिए लोग बॉडी में कहीं न कहीं पियर्सिंग करवा रहे हैं। पियर्सिंग एक पारंपरिक तरीका है जिसमें शरीर पर किसी भी जगह पर त्वचा में छेद कर ज्वेलरी पहनने लायक बनाया जाता है। इयरलोब और नाक की पियर्सिंग बहुत कॉमन है जबकि दूसरे हिस्से जैसे आईब्रो, होंठ, जीभ और अन्य अनेक हिस्सों की पियर्सिंग कराने का चलन इन दिनों बना हुआ है। किसी अन्य बॉडी मॉडिफिकेशन प्रोसेस की तरह ही पियर्सिंग के साथ भी कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं और इससे कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

जिस तरह स्टाइलिश कपड़ों के साथ अच्छे फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह शरीर या होंठ में कौन सी एक्सेसरीज वियर करनी चाहिए, इसके चलते पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। फैशन के लिए पियर्सिंग कराना बहुत अच्छा है लेकिन यह कराने से पहले जरा सावधानियां भी बरतें। जेवर पहनने के लिए कान नाक में छेद करवाने का चलन दुनियाभर में सदियों से रहा है, लेकिन अब फैशन के चलते नाभि से लेकर शरीर के विभिन्न हिस्सों को छिदवाने का चलन है, जबकि इस दौरान घाव या संक्रमण होने पर लेने के देने पड़ सकते हैं और लंबे समय तक इलाज कराने की नौबत आ सकती है। ज्यादातर मामलों में पियर्सिंग को बिना किसी एनेस्थेसिया के पियर्सिंग गन या स्टैंडर्ड नीडिल से किया जाता है। अगर साफ सफाई का ध्यान रखते हुए संक्रमण रहित सुई से पियर्सिंग की जाए तो कोई समस्या नहीं होती वर्ना संक्रमण हो जाता है। सुई संक्रमण रहित न हुई तो हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी से लेकर सिफिलिस और एचआईवी जैसी संक्रामक बीमारियों का संक्रमण हो सकता है और रक्त में संक्रमण से सेप्सिस भी हो सकता है। कई महिलाएं कान के बाहरी हिस्से में कई छेद करवाती हैं। ऐसा होने पर कानों को आकार देने वाली कार्टिलेज में भी छेद किया जाता है और इसमें घाव बन सकता है। ऐसे घाव को भरने में बहुत समय लगता है और संक्रमण की भी आशंका होती है।

घाव भरने में देरी

इन दिनों मुंह, जीभ, नाक, भौंह, नाभि आदि में छेद करवाने का चलन है। हर स्थान का घाव भरने में समय लगता है और इसके लिए सावधानी भी बेहद जरूरी है। लेकिन कुछ स्थानों पर पियर्सिंग करवाने पर खास ध्यान देना पड़ता है। मुंह और नाभि में छेद करवाने पर अगर सावधानी नहीं बरती गई तो संक्रमण की आशंका बहुत होती है। नाभि में अक्सर कपड़ों की रगड़ लगने की वजह से घाव भरने में बहुत समय लगता है। जिस जगह छेद करवाया गया हो, जरूरी नहीं है कि उस छेद में हर तरह की धातु के गहने पहने जा सकें। कुछ धातुओं से शरीर की त्वचा को एलर्जी होती है और यह भी नुकसानदेह हो सकता है। कुछ धातुओं से शरीर के किसी भाग की त्वचा में समस्या हो सकती है और किसी भाग में नहीं। अक्सर कहा जाता है कि मधुमेह के रोगियों के घाव भरने में बहुत मुश्किल होती है। लेकिन न्यूमोनिया से लेकर ल्यूपस तक कई बीमारियां ऐसी हैं जिनकी वजह से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है और इसका पता भी नहीं चल पाता। ऐसे में यदि पियर्सिंग हो तो संक्रमण की आशंका अधिक होती है। अगर घाव बन गया तो उसके ठीक होने के बाद भी उसका निशान लंबे समय तक रह सकता है।

टंग पियर्सिंग

जिस तरह अच्छे कपड़ों के साथ अच्छे सैंडल और फुटवियर पहने जाते हैं, उसी तरह होंठ या शरीर में कौन सी एक्सेसरीज इस्तेमाल करनी चाहिए। इसके लिए बॉडी पियर्सिंग का चलन बढ़ा है। जीभ की पियर्सिंग कराना फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। जीभ छिदवाकर स्टड्स पहनना या फिर छोटी सी बाली पहनना उनके लिए खुद को स्टाइलिश साबित करने का एक तरीका है। लेकिन एक नए शोध के अनुसार यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे दांतों से जुड़ी कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि जीभ की पियरसिंग कराने से मसूड़ों पर चोट लगती है और हड्डी के डैमेज होने का खतरा बढ़ जाता है। पियरसिंग कराने वालों में आगे चलकर नर्वस-सिस्टम से जुड़ी कई समस्याएं भी घर कर जाती हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि जीभ की पियर्सिंग के कारण आप दिनभर अपनी जीभ को मुंह में ही इधर-उधर करते रहते हैं। इसकी वजह से मसूड़ों में इन्फेक्शन हो सकता है। इसके चलते बोन-लॉस का खतरा भी हो सकता है। पियर्सिंग टूटकर मुंह से पेट में जा सकती है या फिर किसी नाल में फंस सकती है।

बेली पियर्सिंग

आजकल के फैशन के दौर में अधिकतर युवतियां बेली पियर्सिंग कराना चाहती हैं। नाभि में पियर्सिंग कराना वैसे तो काफी दर्द भरा होता है लेकिन अधिकतर जगहों पर इसे करने से पहले उस स्थान को सुन्न किया जाता है। फिर भी जहां पियर्सिंग कराने जा रहे हैं उसके बारे में पूरी जानकारी हासिल कर लें, हो सके तो अपने दोस्तों और नेट का सहारा लेकर सही जगह का पता लगाएं। पीयर्सिंग का एक मतलब कई गंभीर बैक्टीरियल और वायरल इन्फेक्शंस को भी दावत देना है। नाभि और जुबान पर होने वाली पीयर्सिंग से हेपेटाइटिस के संक्रमण होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। यही नहीं जो लोग डाइबिटीज या अन्य स्किन इन्फेक्शंस से पीड़ित होते हैं वे इस तकनीक की वजह से गंभीर बैक्टीरियल संक्रमण के शिकार हो सकते हैं। वहीं बुखार, पेट दर्द आदि जैसे संक्रमण होने का भी बहुत खतरा होता है। नाभि की पीयर्सिंग के बाद त्वचा अक्सर ठीक होने में थोड़ा ज्यादा समय लेती है ऐसे में उसके पूरी तरह ठीक होने तक हाइजीन का पूरा खयाल रखना बहुत जरूरी है।

नोज पियर्सिंग

नाक में पियर्सिंग तो आम है लेकिन यदि यह ठीक से न हो तो इसकी वजह से टिश्यूस क्षतिग्रस्त हो सकते हैं जिससे केलॉइड स्कार होने की आशंका भी हो सकती है। ठीक ऐसे ही स्कार होठों और कान की पीयर्सिंग के कारण भी हो सकते हैं। प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा न करवाए जाने पर किसी भी तरह की ब्लीडिंग या हेमरेज का कारण भी बन सकती है पियर्सिंग। हृदय रोग की फैमिली हिस्ट्री वाले लोगों के लिहाज से विशेषतौर पर पियर्सिंग गंभीर स्थितियां पैदा कर सकती है।

लिप पियर्सिंग

एकदम हटके लुक पाने के लिए इन दिनों लिप पियर्सिंग का चलन भी बढ़ा है लेकिन आपको बता दें कि लिप पियर्सिंग करवाने में सबसे ज्यादा दर्द होता है और साथ ही ये नार्मल होने भी टाइम लेता है। चूंकि धातुएं आम तौर पर त्वचा के संपर्क में आने पर डरमेटाईटिस यानी त्वचा की सूजन को बढ़ाती हैं, कुछ लोगों को गहनों से एलर्जिक रिएक्शन हो सकते हैं। इन रिएक्शन्स में सांस लेने में समस्या हो सकती है, छेदन किये गए स्थान पर रेशेज और सूजन आ सकती है। कभी कभी गंभीर होने पर अस्पताल में भी एडमिट होना पड़ सकता है।

चिन पियर्सिंग

इन दिनों चिन पर डबल व सिंगल पियर्सिंग ट्राई किए जा रहे हैं। इसमें स्टोन लगाए जा रहे हैं। वैसे मेटल स्टड्स भी ट्रेंड में हैं। गलत तरीके से छेदने पर कोई तंत्रिका क्षतिग्रस्त हो सकती है जिससे कि छेद किए जाने वाला और इसके आसपास का स्थान हमेशा के लिए मृत हो सकता है। खासकर जब इसे किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया गया हो। कभी कभी जब छेदन किसी गैर अनुभवी व्यक्ति से कराया जाता है या छेदने वाला स्थान गलत हो तो सुई किसी नस को छेदकर उसे क्षतिग्रस्त कर सकती है अत्यधिक रक्तस्राव हो सकता है और शरीर में खून की कमी हो सकती है।

आइब्रो पियर्सिंग

इन दिनों आइब्रो पियर्सिंग खूब चल रही है लेकिन पियर्सिंग के घाव को भरने में 2 से 12 महीने का समय लगता है, इसलिए आइब्रो पियर्सिंग बहुत सावधानी से करवाएं। आइब्रो पियर्सिंग में केलोइड्स हो जाए तो सुंदरता को बिगाड़ सकता है। केलोइड्स छेदन किये गए स्थान पर सख्त गांठें या उतकों की अतिरिक्त वृद्धि होते हैं जो बाहर निकले हुए होते हैं और बहुत बदसूरत दिखाई देते हैं। जब भी केलोइड्स के उपचार की बात आती है तो इसकी रोकथाम बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी भी प्रकार का उपचार इन्हें पूरी तरह से नहीं हटा सकता या उपचार पूर्ण रूप से सफल नहीं हो सकता।

फिंगर पियर्सिंग

इन दिनों सबसे ज्यादा डिमांड में है फिंगर पियर्सिंग। यह देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं और आप अपने हाथ की किसी भी उंगली पर डबल पियर्सिंग करवा सकते हैं। इसमें नग लगवा सकते हैं, लेकिन यह बात जरूर ध्यान रखें कि शरीर को छेदने पर होने वाला सबसे आम खतरा है संक्रमण। यदि तुरंत उपचार नहीं किया गया तो इससे दाग पड़ सकता है और खून में भी संक्रमण हो सकता है। ध्यान न दिए जाने पर यह आपके ऊपर एक भद्दा दाग छोड़कर आपको बदसूरत बना सकता है।

लोअर वियर्स के नए फैशन...

महिलाएं ऑफिस के लिए तैयार होते या किसी पार्टी में जाने से पहले के समय में अक्सर यह सही सोची हैं कि क्या क्या पहने? जिससे वे भीड़ में सबसे अलग दिख सके। तो आइए आज हम आपको इस सीजन फैशन की रेस में सबसे आगे चल रहे लोअर वियर्स के बारे में बताते हैं।

प्लीटेड बैगी पैंट

इस तरह के पैंट फॉर्मल वियर के रूप में काफी लोकप्रिय हो रहे हैं। इन ट्राउजर्स के ऊपरी हिस्से में प्लीट्स होती हैं और ये निचले हिस्से में फिटेड होते हैं। ग्रे, पीच और ऑफ व्हाइट जैसे रंगों के प्लीटेड बैगी ट्राउजर सबसे ज्यादा चलन में हैं। एक अन्य प्रकार के प्लीटेड बैगी ट्राउजर्स ऊपर से नीचे तक ढीले होते हैं। इन्हें कैजुअल परिधानों के रूप में पहना जाता है। इन्हें आप चाइनीज कॉलर वाली शर्ट, कफ वाली हाफ स्लीव शर्ट या पिनस्ट्राइप्स प्रिंट वाली शर्ट के साथ पहन सकती हैं।

क्यूलॉट्स

ऑफिस वियर्स के रूप में आजकल क्यूलॉट्स सबसे ज्यादा पसंद की जा रही पैंट हैं। ये सीधी और चौड़ी दोनों कट्स में आती हैं। आजकल साइड से कट लगी क्यूलॉट्स भी चलन में हैं। इन्हें बनारसी कुर्ते, असिमिट्रिकल टॉप, घुटनों तक लंबे टॉप या फॉर्मल टॉप के साथ पहना जा सकता है।

पलाजो

ढीला-ढाला पलाजो इन दिनों मेट्रो शहरों से लेकर छोटे शहरों तक की महिलाओं की पहली पसंद बना हुआ है। इसने अधिकांश वॉर्डरोब में चूड़ीदार पैजामे और सलवार की जगह ले ली है। इन दिनों लिनन, होजरी, जॉर्जट से बने पलाजो चलन में हैं। इन्हें पहन कर वेस्टर्न और एथनिक दोनों तरह के लुक पाए जा सकते हैं। इन्हें लॉन्ग कुर्ते, श्रग, क्रोशिया टॉप, जैकेट, अचकन स्टाइल के बटन डाउन टॉप के साथ पहना जा सकता है।

मिडी स्कर्ट

लायक्रा, जॉर्जेट या नियोप्रीन जैसे फैब्रिक्स से बनी मिडी स्कर्ट्स इन दिनों काफी चलन में हैं। किसी पार्टी में या दोस्तों के साथ मूवी देखने जाते समय इन्हें पहना जा सकता है। कॉकटेल पार्टी में भी इन्हें पहन कर बेहतरीन लुक पाया जा सकता है। बिना बाजू या आधी बाजू वाले टॉप और क्रॉप टॉप के साथ ये स्कर्ट्स कमाल लगती हैं।

बलून स्कर्ट

फूले हुए फैब्रिक से बनी इस तरह की स्कर्ट ब्रिटिश लुक देती है। आमतौर पर ये स्कर्ट नियोप्रीन, नेट आदि फैब्रिक से बनी होती हैं। यह स्पैगेटी, स्लीवलेस, लेयर्ड और क्रॉप टॉप के साथ अच्छी लगती है।

महलों की शाही दुनिया...

मैसूर पैलेस

आज हम आपको बताएंगे किसी जमाने में बादशाहों के शाही निवास और आज दुनिया के प्रसिद्ध स्मारक बन चुके महलों के बारे में। सैकड़ों साल पहले बसे इन महलों की दिलचस्प बात है कि इनमें इंडिया का मैसूर पैलेस भी है, जिसकी खूबसूरती के चर्चे दुनिया भर में हैं।

मैसूर पैलेस, भारत

इसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह दक्षिण भारत के मैसूर शहर में स्थित है। इसमें दो दरबार हॉल्स हैं। भारत में ताज महल के बाद टूरिस्ट्स के लिए मैसूर पैलेस आकर्षण का केंद्र है। इसे देखने के लिए हर साल यहां करीब 27 लाख टूरिस्ट्स आते हैं।

पैना नेशनल पैलेस, पुर्तगाल

इस महल का निर्माण 1840 में शुरू होकर 1885 में खत्म हुआ। इसी साल इसे बनाने वाले राजा फर्डिनेंड द्वितीय की मृत्यु हो गई। यह महल लिस्बन में भूकंप से क्षतिग्रस्त एक मठ पर बना है। यह एक राष्ट्रीय स्मारक है और यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित हुआ है।

स्कॉनब्रून पैलेस, वियना

70 के दशक से यह महल वियना में आकर्षण का केंद्र है। इसमें 1441 शाही और आलीशान कमरे हैं। इस महल को सम्राट लियोपोल्ड-प्रथम के अनुरोध पर 1696 और 1712 के बीच बनाया गया था। यहां प्रिवी गार्डन, दुनिया का सबसे पुराना चिड़ियाघर, भूलभुलैया और पहाड़ की 60 मीटर ऊंची चोटी पर संगमरमर का एक कुंज भी है।

समर पैलेस, चीन

बीजिंग स्थित इस महल में बनी कुनमिंग लेक आकर्षण का केंद्र है। यह महल 2.9 स्क्वॉयर किलोमीटर के एरिया को कवर करता है। इसका तीन तिहाई हिस्सा पानी से भरा हुआ है। यह जगह चीन के साम्राज्यवादी शासकों द्वारा एक ग्रीष्मकालीन आवास के रूप में इस्तेमाल की गई थी।

पैलेस ऑफ वर्सेल्स, फ्रांस

यह महल फ्रांस में है। इसे 1624 में लुई तेरहवें द्वारा बनाया गया। महल के अंदर एक मीटर ऊंचा और आधा टन का एक झूमर लगाया गया है। यह झूमर स्वारोस्की क्रिस्टल से सजा है। स्टील से बने ढांचे में इसे लगाया गया है। इसके साथ ही इसमें एक लीड लाइटिंग सिस्टम भी है।

शैटा दे चमबोर्ड, फ्रांस

यह शाही महल भी फ्रांस में है। यह अपनी भव्य वास्तुकला के लिए दुनिया में पहचाना जाता है। यह इमारत राजा फ्रेंकोइस द्वारा बनाई गई थी। इस महल को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है। इस महल से प्रेरणा लेकर यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में फाउंडर्स बिल्डिंग बनी।

बकिंघम पैलेस, लंदन

बकिंघम हाउस वेस्टमिंस्टर के शहर में स्थित है। यहां शाही दावतें होती हैं और यह ब्रिटिश सम्राट का प्रमुख कार्यस्थल और निवास भी है। जब भी टूरिस्ट्स लंदन आते हैं, इस पैलेस को जरूर देखकर जाते हैं। हर साल ज्यादातर अगस्त और सितंबर में महल के कुछ हिस्सों को सार्वजनिक तौर पर खोला जाता है।

अलहम्ब्रा, स्पेन

स्पेन में स्थित अलहम्ब्रा एक पैलेस और किला है। इसका निर्माण 889 में हुआ था और इसे एक किले के रूप में बनाया गया था। बाद में 1333 में ग्रेनेडा के सुल्तान यूसुफ प्रथम द्वारा इसे शाही महल में परिवर्तित किया गया। 1492 में इसके कुछ भाग को ईसाई शासकों ने भी इस्तेमाल किया।

पोताला पैलेस, चीन

पोताला पैलेस ल्हासा, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र, चीन में स्थित है। यह मार्पोरी पहाड़ी पर बना हुआ है और ल्हासा की घाटी से 130 मीटर की ऊंचाई पर है। यह तिब्बत में सबसे बड़ी स्मारकीय संरचना है। इस पैलेस का निर्माण 1645 में पांचवें दलाई लामा के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ और 1648 में पूरा हुआ। पोताला पैलेस तब तक दलाई लामा का निवास बना रहा, जब तक कि 14वें दलाई लामा भारत नहीं आ गए।

फॉरबिडन सिटी, चीन

यह दुनिया के सबसे सुंदर शाही महलों में से एक है। इसका निर्माण 1406 से 1420 के बीच हुआ था। यह बीजिंग, चीन के मध्य में स्थित है और अब इस पैलेस में संग्रहालय भी है। लगभग 500 वर्षों के लिए यह सम्राटों और उनके परिवारों का घर रहा है। इसमें 980 भवन हैं और यह 720,000 स्क्वॉयर मीटर कवर करते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**